मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 197
रविवार, 02 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

बजट 2025: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का ऐलान, 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर नहीं टैक्स

नई दिल्ली, 01 फरवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट पेश करते हुए आम जनता को बड़ी खुशखबरी दी है। मिडिल क्लास को बड़ी राहत देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वालों के लिए आयकर छूट बढ़ाने की घोषणा की।

इसका मतलब यह है कि जो लोग प्रति वर्ष 12 लाख रुपये से कम कमाते हैं, उन्हें कोई कर नहीं देना होगा। बजट भाषण देते हुए सीतारमण ने कहा, ?मध्यम वर्ग अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। उनके योगदान को मान्यता देते हुए हमने समय-समय पर कर का बोझ कम किया है। मुझे अब यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई आयकर नहीं लगेगा। निर्मला सीतारमण ने संशोधित आयकर स्लैब का विवरण भी बताया।

उन्होंने कहा, मैं कर दर संरचनाओं को निम्नानुसार संशोधित करने का प्रस्ताव करती हूं: 0 से 4 लाख - शून्य, 4 लाख से 8 लाख - 5%, 8 लाख से 12 लाख - 10%, 12 लाख से 16 लाख - 15%, 16 लाख से 20 लाख - 20%, 20 लाख से 24 लाख - 25% और 24 लाख से अधिक - 30%। पूंजीगत लाभ जैसी विशेष दर आय के अलावा 12 लाख तक की सामान्य आय वाले करदाताओं को, स्लैब दर में कमी के कारण लाभ के अलावा एक कर छूट इस तरह से प्रदान की जा रही है कि उनके द्वारा कोई कर देय नहीं है।

वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में छह क्षेत्रों में सुधार की शुरूआत की जाएगी: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नयी दिल्ली, 01 फरवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 कराधान, शहरी विकास, खनन, वित्तीय क्षेत्र, बिजली और नियामकीय ढांचे जैसे छह क्षेत्रों में सुधारों की शुरूआत करेगा। वित्त मंत्री ने लगातार अपना आठवां बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार के पिछले 10 वर्षों के विकास के ट्रैक रिकॉर्ड और संरचनात्मक सुधारों ने वैश्विक स्तर पर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत में गरीबी खत्म होगी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा होगी, उच्च गुणवत्ता वाली, सस्ती व व्यापक स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं होंगी। सीतारमण ने कहा कि बजट में समावेशी विकास के पथ पर सभी को एक साथ लेकर चलने पर ध्यान दिया गया है। इसके अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की घोषणा की। इसके तहत कम पैदावार, आधुनिक फसल गहनता और औसत से कम ऋण मानदंडों वाले 100 जिलों को शामिल किया जाएगा। वित्त मंत्री ने अपना लगातार आठवां बजट पेश करते हुए कहा कि इस योजना से 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं, महिलाओं और किसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए ग्रामीण समृद्धि व लचीला कार्यक्रम शुरू करेगी। सरकार दालों में आत्मनिर्भरता के लिए छह साल का कार्यक्रम भी शुरू करेगी, जिसमें तुअर, उड़द और मसूर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सीतारमण ने कहा कि सब्जियों और फलों के उत्पादन को बढ़ाने तथा लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराने के लिए एक व्यापक कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा।

बजट में सिर्फ जुमलेबाजी, पुरानी घोषणाओं को नया बताकर किया जा रहा पेश: तेजस्वी यादव

पटना, 01 फरवरी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार केंद्रीय बजट में सिर्फ जुमलेबाजी कर रही है तथा पहले की गई घोषणाओं को नया बताकर फिर से पेश कर रही है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने वैशाली जिले में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राज्य के लिए अच्छा लाभ हासिल करने में कथित रूप से नाकाम रहने के लिए आलोचना की। कुमार की पार्टी जनता दल (यू) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अहम सहयोगी है।

तेजस्वी ने कहा, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को ही देख लीजिए। उन्होंने आंध्र प्रदेश के लिए एक लाख करोड़ रुपये का लाभ सुनिश्चित किया है। आज पेश किए गए बजट में बिहार के लिए ऐसी किसी मदद के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। हमें यह भी नहीं पता कि पिछले साल वादा किए गए 59,000 करोड़ रुपये कहां खर्च किए गए हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, हम मुख्यमंत्री से बेहतर सौदे की उम्मीद नहीं कर सकते, क्योंकि अब वह अपने होश में नहीं दिखते और यह समझने की क्षमता भी खो चुके हैं कि ताली कहां नहीं बजानी चाहिए। यह इशारा 30 जनवरी की एक घटना की ओर था, जब महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित सरकारी समारोह में 70 वर्षीय कुमार ने ताली बजाना शुरू कर दिया था।

तेजस्वी ने आरोप लगाया, ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री ने विशेष दर्जे की मांग पहले ही छोड़ दी है, जिस पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते समय एक शब्द भी नहीं कहा। गरीब राज्य के लिए कोई विशेष आर्थिक पैकेज भी नहीं है। इस राज्य को मोदी सरकार धोखा दे रही है, जबकि प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात के लिए सभी अच्छे काम किए जा रहे हैं। बिहार के लिए बजट में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना जैसी घोषणाओं पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर राजद नेता ने इन्हें जुमलेबाजी करार देते हुए पूछा, बजटीय आवंटन कहां है? उन्होंने कहा, ये सब पुरानी बातें हैं, जिन्हें कुछ नया करके पेश किया गया है। पटना के बाहरी इलाके बिहटा में नए हवाई अड्डे जैसी परियोजनाओं पर केंद्र चुप क्यों है? जब हम सत्ता में थे, तो हमने इस उद्देश्य के लिए जमीन का अधिग्रहण किया था और इसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को सौंप दिया था।

उपराष्ट्रपति ने त्रिवेणी संगम में लगाई पुण्ड डुबकी

अक्षयवट, सरस्वती कूप और हनुमान मंदिर में सीएम योगी के साथ किया दर्शन-पूजन

सुरेश गांधी

महाकुम्भनगर। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को त्रिवेणी संगम में स्नान किया और इस घटना को जीवन धन्य करने वाला अवसर बताया। उपराष्ट्रपति धनखड़ तीर्थराज प्रयागराज पत्नी व परिवार समेत हेलिकॉप्टर से पहुंचे जहां हेलिपैड पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनका अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया। यहां से वह अरैल संगम घाट की ओर बढ़े जहां क्रूज पर सवार होकर उन्होंने नौकायन का आनंद लिया और त्रिवेणी संगम में चिह्नित स्थान पर स्नान किया। इस दौरान स्वस्ति वाचन की गूंज के मध्य धनखड़ ने सिर पर शिवलिंग रखकर आस्था की पवित्र डुबकी लगाई। वृंदावन के मुख्य पुजारी पुंडरीक गोस्वामी ने पूजन-अर्चन किया।

इससे पूर्व नौकायन के दौरान साइबेरियन पक्षियों को देखकर वह उत्साहित हो उठे। उन्होंने कलरव करते पक्षियों को अपने हाथ से दाना डाला और परिजनों समेत इस आनंदित करने वाले क्षण का आनंद लिया। नौकायन के दौरान उन्होंने त्रिवेणी संगम के महात्म के बारे में सीएम योगी से जाना। धवल वर्णा गंगा और श्यामल वर्णा यमुना समेत अदृश्य सरस्वति के महाप्रयाग को महाकुम्भ की पुण्य वेला में दर्शन करके, उसमें स्नान कर जनकल्याण का संकल्प लेकर उपराष्ट्रपति प्रफुल्लित दिखे। उन्होंने इस अवसर को जीवन धन्य करने वाला क्षण बताया। त्रिवेणी संगम में स्नान के पूर्व संगम नोज व आस-पास के घाटों पर स्नान कर रहे स्नानार्थियों का अभिवादन किया। स्नान के बाद उन्होंने तीर्थराज प्रयाग की जय और नमः पार्वति पतये हर-हर महादेव का जयकारा उद्घोषित किया। त्रिवेणी संगम पर स्नान के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पत्नी व परिवार समेत सरस्वती कूप, अक्षय वट व बड़े हनुमान मंदिर में बाकायदा विधिवत पूजन-अर्चन किया। यहां उन्होंने महाबली हनुमान को रोली, वस्त्र, जनेऊ, सिंदूर, लाल चंदन, माला, धूप-दीप, नैवेद्य अर्पित किया और परिक्रमा भी की। धनखड़ ने इन सभी स्थानों पर पूजन-अर्चन के साथ ही योगी आदित्यनाथ ने इन स्थानों का महात्म भी जाना। इस दौरान महाकुम्भ में योगी सरकार की तैयारियों को धनखड़ ने सुखद अनुभव करार दिया। उन्होंने कहा कि मैने अपने जीवन में इतना भव्य-दिव्य और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित हो रहा महासमागम नहीं देखा है, यहां आकर जीवन धन्य हो गया। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ, औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी समेत उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न मंत्री व शासन के आला पदाधिकारी मौजूद रहे।

सीएम योगी ने महाकुम्भ नहीं चमत्कार करके दिखाया : उपराष्ट्रपति

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ की भव्य व्यवस्थाओं को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अभिभूत नजर आए। उन्होंने महाकुम्भ को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि आज तक पृथ्वी पर करोड़ों लोगों का ऐसा संगम नहीं हुआ है और यह जो उत्कृष्ट व्यवस्था है, जो प्रशासन ने कार्य किया है, वो अद्भुत है। कभी कल्पना नहीं की जा सकती थी कि भारतवर्ष में इस प्रकार का आयोजन हो सकता है। हर स्तर पर प्रशासन ने और मुख्यमंत्री जी ने चमत्कार करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि एक हादसा हुआ पर अंदाजा लगाइए कितनी त्वरित गति से हर मामले को हैंडल किया गया। दुनिया अचंभित हो जाएगी यह जानकर कि अमेरिका की जितनी पापुलेशन है उतने लोगों का तो यहां आगमन हो चुका है। मुझे कोई भी ऐसा नहीं मिला है कि जिसने यहां की व्यवस्थाओं की प्रशंसा न की हो। किसी ने नहीं सोचा था कि कोई व्यक्ति धरती पर ऐसा कर पाएगा। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को साधुवाद का पात्र मानता हूं कि उन्होंने जो आयोजन किया है वह दुनिया के इतिहास में रचित हो गया है।

अस्पताल से पिता के शव को घर ले जाने के दौरान हुए सड़क हादसे में बेटे समेत तीन की मौत

भद्रक। ओडिशा के भद्रक जिले में एक एंबुलेंस की एक डंपर से टक्कर होने से 26 वर्षीय व्यक्ति, उसके एक रिश्तेदार और एंबुलेंस चालक की मौत हो गई। वह इस गाड़ी में अपने पिता का शव लेकर जा रहा था। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना भद्रक शहर से लगभग 16 किलोमीटर दूर मैतापुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 16 पर हुई।

अडानी-अंबानी जैसे लोगों का कर्ज माफ करते हैं मोदी: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 01 फरवरी। दिल्ली चुनाव को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सदर बाजार में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि आज बजट पेश किया गया, बजट का लक्ष्य 25 लोगों को फायदा पहुंचाना था। वो आपको थोड़ा देंगे, वो थोड़ा टैक्स माफ करेंगे लेकिन बजट का लक्ष्य अगर आप देखें तो भारत का पैसा 20-25 अरबपतियों तक पहुंचाना है। उन्होंने दावा किया कि भारत में, 50% पिछड़ा वर्ग हैं, 15% दलित हैं, 8% आदिवासी हैं, 15% अल्पसंख्यक हैं और मान लीजिए, 5% गरीब, सामान्य वर्ग के लोग हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि निजी अस्पतालों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, बड़ी कंपनियों के मालिकों को देखो, बड़े न्यायाधीशों की सूची निकालो और मुझे बताओ कि पिछड़े वर्ग से कौन हैं, दलित कौन हैं, आदिवासी, अल्पसंख्यक कौन हैं, गरीब सामान्य वर्ग से कितने हैं, वे चुने हुए लोग हैं, वे उनके मित्र हैं। राहुल ने कहा कि देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई है।

एक तरफ नफरत-हिंसा है और दूसरी तरफ मोहब्बत-भाईचारा है। आरएसएस-बीजेपी के लोग संविधान को खत्म करना चाहते हैं, जबकि कांग्रेस पार्टी संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रही है।

उन्होंने कहा कि आरएसएस-बीजेपी के लोग भाई को भाई से, एक धर्म को दूसरे धर्म से और एक भाषा को दूसरी भाषा से लड़ाते हैं। इनका लक्ष्य आपका पैसा आपसे छीनकर हिंदुस्तान के अरबपतियों को देना है।

राष्ट्रपति मुर्मू पर बेचारी लेडी का कटाक्ष दुर्भाग्यपूर्ण

-ः ललित गर्गः-

-ललित गर्ग

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी को भारतीय जनता पार्टी एवं अन्य राजनीतिक दलों ने ही नहीं, बल्कि आम लोगों ने भी आपत्तिजनक, अशालीन एवं स्तरहीन बताया है। राष्ट्रपति भवन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यह बयान न केवल गलत है, बल्कि राष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। संसद के बजट सत्र के पहले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सोनिया गांधी ने जिस तरह एवं जिन शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की, उस पर विवाद खड़ा हो जाना इसलिये स्वाभाविक है क्योंकि यह बयान दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण होने के साथ पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी भाषा और आरोपों को लेकर सतर्क, शालीन एवं शिष्ट रहे। विशेषतः कांग्रेस के नेता अक्सर अपने बोल, बयान एवं भाषा की शिष्टता से चुकते रहे हैं। भारत की लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था में सबसे प्रतिष्ठित पद राष्ट्रपति का है। लेकिन, सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जिस तरह से राजनीति प्रेरित होकर विचार एवं नीतियों की आलोचना करने की बजाय सीधा राष्ट्रपति पर कटाक्ष किया है, उससे इस पद की गरिमा को गहरा आघात लगा है।

राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की नीतियों एवं योजनाओं को रेखांकित करता है, इसमें राष्ट्रपति की अपनी कोई विशिष्ट विचारधारा नहीं होती, इसलिए विपक्ष चाहे तो नीतियों एवं योजनाओं की आलोचना कर सकता है, यह उसका अधिकार होता है। वह इस अधिकार का उपयोग करता है और उसे करना भी चाहिए, लेकिन इस लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग राष्ट्रपति के व्यक्तित्व का छिद्रान्वेशन करना कैसे हो सकता है? यह अच्छा नहीं हुआ कि सोनिया गांधी ने अभिभाषण में व्यक्त विचारों के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी करने के स्थान पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पर ही कटाक्ष एवं तंज कस दिया। उन्हें यह कहने की आवश्यकता नहीं थी कि अभिभाषण के आखिर तक आते-आते राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं। कठिनाई से बोल पा रही थीं। बेचारी महिला। पता नहीं सोनिया गांधी ने यह निष्कर्ष कैसे निकाल लिया और यदि निकाल भी लिया तो उन्हें उसे बेचारी महिला जैसे शब्दों में व्यक्त नहीं करना चाहिए था, यह उनकी राजनीति अशिष्टता, अशालीनता, अहंकार एवं अपरिपक्वता का ही द्योतक है। ऐसा लगता है कांग्रेस एवं उनके शीर्ष नेताओं की चेतना में स्वस्थ समालोचना के बजाय विरोध की चेतना मुखर रहती है। ऐसे अमर्यादित एवं अशोभनीय आलोचना ने राष्ट्रपति पद की अस्मिता एवं अस्तित्व पर सीधा एवं तीखा आक्रमण कर दिया है।

यह आश्चर्य का नहीं बल्कि सर्तकता, समयज्ञता एवं जागरूकता विषय है

कि राष्ट्रपति भवन को सोनिया गांधी की टिप्पणी पर अपनी अप्रसन्नता व्यक्त करनी पड़ी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया देनी पड़ी है और कांग्रेस के बयान को न केवल गलत कहा, बल्कि इसे राष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला भी बताया। राष्ट्रपति ने हिंदी जो उनकी मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने बहुत ही बेहतरीन एवं प्रभावी भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। राष्ट्रपति भवन ने अपने बयान में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने संबोधन के दौरान किसी भी पल थकी नहीं थीं, उन्होंने पूरे आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ संसद को संबोधित किया। विशेष रूप से जब वे हाशिए पर खड़े समुदायों, महिलाओं और किसानों के अधिकारों की बात कर रही थीं, तब वे और भी ज्यादा संकल्पित एवं ऊर्जा से भरी हुए थीं। राष्ट्रपति को विश्वास है कि इन वर्गों की आवाज उठाना कभी भी थकावट का कारण नहीं बन सकता, बल्कि यह उनके कर्तव्य का एक अहम हिस्सा है। इसके अलावा, राष्ट्रपति भवन ने कांग्रेस नेताओं की हिंदी भाषा की समझ पर भी सवाल उठाए। बयान में कहा गया कि संभवतः ये नेता हिंदी भाषा की लोकोक्तियों और मुहावरों से भली-भांति परिचित नहीं हैं, जिसके कारण उन्होंने राष्ट्रपति के भाषण की गलत व्याख्या कर ली। राष्ट्रपति भवन ने कहा कि ऐसे भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण बयानों से बचा जाना चाहिए, जो न केवल अनावश्यक विवाद खड़ा करते हैं, बल्कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाते हैं। राष्ट्रपति भवन ने कांग्रेस नेताओं के बयानों को खराब और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए यह भी कहा कि इस तरह की टिप्पणियां पूरी तरह से अनुचित हैं और इन्हें टाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी भाषा और आरोपों को लेकर सतर्क रहें। राष्ट्रपति भवन की यह कठोर प्रतिक्रिया कांग्रेस नेताओं के लिये सबक एवं सीख बननी चाहिए।

स्वाभाविक रूप से कांग्रेस नेताओं और खुद प्रियंका गांधी ने सोनिया गांधी का बचाव किया, लेकिन यह समझा जा सके तो बेहतर होता कि उन्हें अपने शब्दों के चयन में सावधानी बरतनी चाहिए थी। ऐसे बयान ने न केवल गैरजिम्मेदाराना एवं विध्वंसात्मक इरादों को ही नहीं, छल-कपट की राजनीति को भी बेनकाब किया है। कांग्रेस न जाने क्यों मानसिक दुर्बलता की शिकार है कि उसे अंधेरे सायों से ही प्यार है। ऐसे राजनीतिक दलों एवं सोनिया गांधी जैसे राजनेताओं की आंखों में किरणें आंज दी जाएं तो भी वे यथार्थ को नहीं देख सकते। क्योंकि उन्हें उजालों के नाम से ही एलर्जी है। तरस आता है सोनिया जैसे राजनेताओं की बुद्धि पर, जो सूरज के उजाले पर कालिख पोतने का असफल प्रयास करते हैं, आकाश में पैबन्द लगाना चाहते हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर राजनीतिक सागर की यात्रा करना चाहते हैं। इसीलिये राष्ट्रपति भवन ने यह सही कहा कि सोनिया गांधी की ओर से जो टिप्पणी की गई, वह सर्वथा टालने योग्य थी। शीर्ष नेताओं को अपनी बात कहते समय पद की गरिमा के साथ अपने शब्द चयन में सावधानी बरतनी चाहिए। उस समय तो और भी जब टिप्पणी राष्ट्रपति के संदर्भ में की जा रही हो। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जिस सामाजिक परिवेश और पृष्ठभूमि से आती हैं, उसे देखते हुए तो और भी संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। समस्या यह है कि सोनिया गांधी हों या राहुल गांधी, वे किसी की आलोचना करते समय शब्दों के सही चयन में प्रायः चूक कर जाते हैं। जब ऐसा होता है तो यही ध्वनित होता है कि गांधी परिवार के सदस्य अहंकार में डूब कर अपनी राजशाही मानसिकता का परित्याग नहीं कर पा रहे हैं।

सोनिया गांधी अपने आपको सक्षम राजनीतिज्ञ मानती होंगी, वे विरोध एवं व्यक्तिगत आलोचना की राजनीति की खिलाड़ी भी स्वयं को साबित करने में जुटी हो, भले ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरोध में सारी हदें लांघी हो, लेकिन भारत की राजनीति केवल विरोध पर जीवंत नहीं रह सकती। राजनीति में समालोचना नितांत अपेक्षित है, समालोचक होना और समालोचना करना बहुत बड़ी बात है, पर जब नेता सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्तित्व की गरिमा को ही खंडित करता है, अपने विवेक को गिरवी रखकर समालोचना करता है, उसे समालोचना नहीं, स्तरहीन विरोध ही कहा जायेगा। ऐसे विरोध के प्रति दया का भाव ही जताया जा सकता है, उसका उत्तर नहीं दिया जा सकता। आखिर निषेधात्मक भावों का उत्तर कब तक दिया जाए? कांग्रेस की इस श्रृंखला का कहीं अंत ही दिखाई नहीं देता। रचनात्मक समालोचना हो, तथ्यों के आधार पर हो, विवेकसम्मत हो तो उसके बारे में चिंतन भी किया जा सकता है। लोकतंत्र समालोचना का विरोधी नहीं है, बल्कि स्वस्थ एवं शालीन समालोचना का स्वागत ही होता है, इससे राजनीति परिपक्व एवं मजबूत होती है, किन्तु नमक की रोटी का क्या स्वागत किया जाए? कुछ आटा हो तो नमक की रोटी भी काम की हो सकती है। पर जिसमें कोरा नमक ही नमक हो, वह स्पृहणीय कैसे बन सकती है। प्रश्न है कि इस

कांग्रेस का जो ट्रैक रिकॉर्ड रहा है उसमें आदिवासियों के साथ भेदभाव स्पष्ट नजर आता है

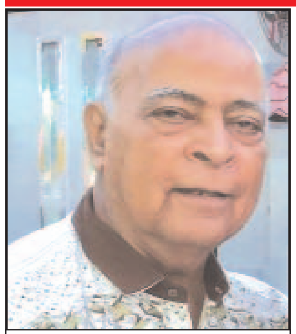

अशोक भाटिया

संसद का सत्र शुरू होने से पहले, पूरा देश राष्ट्रपति के अभिभाषण का इंतजार कर रहा था । राष्ट्रपति का अभिभाषण देश की प्रगति, प्रगति की वर्तमान स्थिति, देश की प्रगति, कठिनाइयों, आर्थिक विकास की तस्वीर पेश करता है। राष्ट्रपति का अभिभाषण वर्ष के दौरान प्रधान मंत्री के प्रदर्शन की समीक्षा करता है, जैसा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कैबिनेट सहयोगियों के साथ किया है। काम की समीक्षा की। पिछले बजट और मोदी सरकार की कार्ययोजनाओं को फायदा मिला। समाज के हर वर्ग को इसका लाभ मिला। राष्ट्रपति मुर्मू ने भी अपने भाषण में प्रशंसा की कि यह एक ऐसा वृत्तांत था जो केवल शानदार था। विपक्ष को यह भी आवश्यक था कि वह या तो मुर्मू के भाषण की प्रशंसा करे या सदन में प्रस्तुत करे कि कैसे भाषण में विकास कार्यों की प्रशंसा गलत थी, विकास कार्यों की गति कैसे धीमी हो गई थी। एक सक्षम विपक्ष से जनता यही उम्मीद करती है। लेकिन यह एक तरह की त्रासदी है कि हमारे भारतीय लोकतंत्र में अभी भी इतनी उदारता नहीं है कि सत्ताधारी दल द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की जा सके।

राष्ट्रपति के अभिभाषण से देशवासियों में आक्रोश फैल गया है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति को 'गरीब महिला' के रूप में संदर्भित किया, जबकि उनके बेटे राहुल गांधी ने राष्ट्रपति मुर्मू के भाषण को उबाऊ बताया। यह स्पष्ट रूप से कांग्रेस नेताओं की मानसिकता को दर्शाता है। इस बयान की विभिन्न हलकों से आलोचना हो रही है। राजनीति भी गरमाने लगी। भाजपा ने भी पलटवार किया है। राष्ट्रपति ने संसद को संबोधित करते हुए कहा था कि विकसित भारत उनका लक्ष्य है। आदिवासी समुदाय की एक महिला को देश के शीर्ष पर बिठाकर भाजपा ने सही मायने में देश के आदिवासी समुदाय का न केवल शब्दों से बल्कि कार्यों से भी गौरव बढ़ाया है। सोनिया गांधी के संबोधन के बाद, उन्हीं राष्ट्रपति मुर्मू को खुले तौर पर 'गरीब महिला' कहा गया और एक तरह से आदिवासी समुदाय का अपमान किया गया। एक तरफ भाजपा के घमंड भरे रुख और सोनिया गांधी और राहुल गांधी द्वारा दिए गए अपमानजनक बयानों के बीच विरोधाभास सामने आया है। साफ है कि कांग्रेस का दोहरा चेहरा एक बार फिर सामने आ गया है। कांग्रेस के नारे केवल चुनाव के समय तक सीमित हैं, चुनाव खत्म होने के बाद कांग्रेस का वास्तविकता में उन नारों से कोई लेना-देना नहीं है।

यह 1952 से देश के संसदीय मामलों में देखा गया है। कांग्रेस ने केवल नारों द्वारा देशवासियों को गुमराह करके असीमित समय तक केंद्र में सत्ता का आनंद लिया है। यही पैटर्न 2014 तक जारी रहा। कांग्रेस ने गरीबी हटाओ के एकमात्र नारे पर लोकसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल करके पांच साल तक सत्ता का आनंद लिया। लेकिन इस देश से गरीबी दूर नहीं हो पाई है और कांग्रेस द्वारा इसे दूर करने के लिए कोई विशेष प्रयास नहीं किया गया है। बहरहाल, लगातार देश की सत्ता का सुख भोगते हुए कांग्रेस नेताओं की गरीबी दूर की गई है, उसे इतना दूर किया गया है कि कांग्रेस के नेताओं ने हमेशा देश की सत्ता का सुख भोगा है, ताकि अभिभाषण के बाद राष्ट्रपति की आलोचना करने वाले कांग्रेस नेताओं ने सिर फेर लिया है ताकि वे सुखराम नाम के केंद्रीय मंत्री के बेडरूम में गद्दे में करीब छह करोड़ रुपये की नकदी पा सकें? इससे सवाल उठता है। कांग्रेस की सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने भिक्का भाषण के बाद राष्ट्रपति मुर्मू के बारे में अपमानजनक बयान देकर देश के आदिवासी समुदाय का अपमान किया है, जो आदिवासी समुदाय के प्रति कांग्रेस नेताओं के रवैये को भी दशार्ता है। 2014 में केंद्र से सत्ता में आने के बाद और 2019 और 2024 में लोकसभा के आम चुनावों में भी, भारतीय मतदाताओं को सत्ता नहीं मिली क्योंकि भाजपा सत्ता में चुनी गई थी। देश की जनता अब कह रही है कि शायद ढह गई है। भाजपा ने लगातार तीसरी बार देश की सत्ता जीती।

2014 के बाद से, मोदी के नेतृत्व में देश को आगे ले जाते हुए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में मंत्रियों के भ्रष्टाचार में लिप्त होने का कोई उदाहरण नहीं है। कांग्रेस नेताओं के पैरों तले रेत खिसक गई क्योंकि सत्तारूढ़ दल की आलोचना करने का कोई अवसर नहीं था। यह ह? गया है। सांसद राहुल गांधी इसमें सबसे आगे हैं। हमारे देश के लिए दुर्भाग्य की बात है कि राहुल गांधी को इस बात का एहसास तक नहीं है कि विश्व मंच पर भारत की छवि धूमिल हो रही है, भले ही उन्हें कुछ समय के लिए प्रचार मिल रहा हो। देशवासियों के लिए कांग्रेस नेताओं को यह बताने का समय है कि किसी भी चीज की सीमा होती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने अक्सर आलोचना के नाम पर सीमाओं का उल्लंघन किया है। वह कोई राजनीतिक नेता नहीं हैं, बल्कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद हैं। उनका अपमान देश का अपमान है।

वही राष्ट्रपति भवन ने भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के संसद में अभिभाषण पर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों को अस्वीकार्य करार दिया है। राष्ट्रपति भवन ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियों से राष्ट्रपति के पद की गरिमा को ठेस पहुंचती है, इसलिए ये अस्वीकार्य हैं। राष्ट्रपति भवन का कहना है किसी भी मामले में ऐसी टिप्पणियां गलत, दुर्भाग्यपूर्ण और पूरी तरह से टालने योग्य हैं। राष्ट्रपति भवन ने यह स्पष्ट किया है कि राष्ट्रपति किसी भी समय थकी नहीं। राष्ट्रपति का मानना है कि हाशिये पर पड़े समुदायों, महिलाओं और किसानों के लिए बोलना, जैसा कि वे अपने संबोधन के दौरान कर रही थीं, कभी भी थकाऊ नहीं हो सकता। राष्ट्रपति कार्यालय का मानना है कि हो सकता है कि यह नेता हिंदी जैसी भारतीय भाषाओं के मुहावरे और विमर्श से वाकिफ नहीं हों, इसलिए उन्होंने इस तरह की गलत धारणा बना ली है।

सोनिया गांधी के बयान पर पीएम मोदी ने भी हमला किया है। दिल्ली में एक रैली के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक आदिवासी परिवार से आई हैं। उनकी मातृभाषा हिंदी नहीं, उड़िया है। उन्होंने आज संसद को अद्भुत तरीके से भाषण दिया। लेकिन, कांग्रेस का राजघराना उनका अपमान करना शुरू कर दिया है। राजपरिवार के एक सदस्य ने कहा कि आदिवासी बेटी ने उबाऊ भाषण दिया देश के 10 करोड़ आदिवासी भाई-बहन ये देश के हर गरीब का अपमान है। इन्हें लोगों को गाली देना, विदेशों में भारत को बदनाम करना और शहरी नक्सलियों के बारे में बात करना पसंद है।

पीएम मोदी ने रैली के दौरान कहा कि राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सत्रों को संबोधित करते हुए बेहतरीन भाषण दिया है। इसके बावजूद शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। द्वारका में बीजेपी की एक रैली में पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार आज देश ने फिर देखा है। आज हमारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद को संबोधित किया। उन्होंने देशवासियों की उपलब्धियों के बारे में बताया, विकसित भारत के दृष्टिकोण के बारे में बताया। पीएम मोदी ने कहा कि शाही परिवार के एक सदस्य ने कहा कि आदिवासी बेटी ने बोरिंग भाषण दिया और दूसरी सदस्य ने तो इससे भी एक कदम आगे बढ़ते हुए राष्ट्रपति मुर्मू को ह्यबेचारी, गरीब, चीज और थकी हुई कह दिया। पीएम मोदी ने कहा कि ये देश के आदिवासी भाई-बहनों का अपमान है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को अहंकार की पराकाष्ठा का प्रतीक करार दिया और कहा कि आप-दा वाले खुद को दिल्ली का मालिक बताते हैं, तो वहीं कांग्रेस वाले खुद को देश का मालिक समझते हैं।

गौरतलब है कि कांग्रेस पर आदिवासियों के हितों पर ध्यान नहीं देने का आरोप लगता रहा है। आदिवासी समुदायों की उपेक्षा करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। कांग्रेस भारत में अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय की उपलब्धियों और आकांक्षाओं को भी कमतर आंकती रही है। चाहे वो आदिवासी नायकों की पहचान को अवरुद्ध करना हो या प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं को रोकना हो।

कांग्रेस का जो ट्रैक रिकॉर्ड रहा है उसमें आदिवासियों के साथ भेदभाव स्पष्ट नजर आता है। कांग्रेस आदिवासी हकों के मुद्दों पर कभी आवाज उठाती नजर नहीं आई। राष्ट्रपति मुर्मू को कमतर आंकना उसी का हिस्सा है। आदिवासी भावनाओं का अपमान सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति मुर्मू को पुअर लेडी कहकर उन्हें कमतर आंककर उन्होंने अनजाने में उन लाखों एसटी नागरिकों की सामूहिक पहचान और संघर्ष का अपमान किया है। जिन्होंने अपने संघर्ष के बलबूते शीर्ष पदों पर पहुंच कर प्रतिनिधित्व हासिल किया है। इसके साथ ही इससे उन आदिवासियों की भावनाओं को भी ठेस पहुंची है जिन्होंने द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति पर नियुक्ति को भारतीय शासन के शिखर पर प्रगति और प्रतिनिधित्व का प्रतीक माना था। कांग्रेस पहले भी कर चुकी है राष्ट्रपति मुर्म का अपमान याद रहे जुलाई 2024 में कांग्रेस सांसद अधीर रंजन ने संसद में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'राष्ट्रपत्नी' कहकर संबोधित किया था। राष्ट्रपत्नी कहकर उनकी स्थिति को लिंग आधारित अपमान में बदल दिया गया। जिसका उद्देश्य लैंगिक अपमान करना था और आदिवासी समाज से सर्वोच्च पद पर बैठी महिला का तिरस्कार करना था। अधीर रंजन चौधरी के मजाकिया अंदाज में राष्ट्रपत्नी कहने से लेकर उनके रंग के बारे में टिप्पणी करने तक, उनके शब्द उनकी नस्लवादी और सामंती मानसिकता को उजागर करता है, जहां वो अपने दम पर देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद पर एक आदिवासी महिला को स्वीकार नहीं कर सकते हैं। ये घटना अलग नहीं है, बल्कि उसी का एक हिस्सा है। कांग्रेस बर्दाश्त नहीं कर पा रही कि।।। अब सवाल उठता है कि क्या कांग्रेस ने उसी स्तर का अनादर किया होता अगर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि से आतीं? ये साफ है कि कांग्रेस का वंशवादी और अभिजात्यवादी दृष्टिकोण एक जमीनी स्तर के नेता के उदय को बर्दाश्त नहीं पा रहा है जो कुलीन लुटियन राजनीति के बजाय वास्तविक भारत का प्रतिनिधित्व करता है। कांग्रेस इस बड़े बदलाव के प्रति असमर्थ महसूस कर रही है। इसलिए कांग्रेस नेताओं की निंदा करना और उन्हें जवाब देना जरूरी है। अगर भारतीय ऐसा करते हैं तो उनमें दोबारा इस तरह के बयान देने की हिम्मत नहीं होगी।

साझा भविष्य के लिए आर्द्रभूमियों का संरक्षण आवश्यक

-सुनील कुमार महला

2 फरवरी दिवस विशेष

प्रति वर्ष 2 फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस(वर्ल्ड वैटलैंड डे) पर्यावरण में आर्द्रभूमि के महत्व और भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिवस धरती पर जैव विविधता(बायो डायवर्सिटी) , जलवायु और जल विनियमन के लिए महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि की रक्षा और पुनर्स्थापित करने के क्रम में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से हर साल मनाया जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि वेटलैंड्स वाटरशेड की पारिस्थितिकी में एक अभिन्न भूमिका निभाते हैं। जानकारी के अनुसार उथला पानी उच्च स्तर के पोषक तत्त्वों का संयोजन जीवों के विकास के लिये आदर्श है जो खाद्य वेब का आधार बनाते हैं और मछली, उभयचर, शंख व कीड़ों की कई प्रजातियों को भोजन प्रदान करते हैं। वास्तव में,दलदली भूमि, बाढ़ के मैदान, नदियां, झीलें, मैंग्रोव, प्रवाल भित्तियां और अन्य समुद्री क्षेत्र जो कि कम ज्वार पर 6 मीटर से अधिक गहरे न हो- सब वेटलैंड्स की श्रेणी में आते हैं। इतना ही नहीं,मानव निर्मित तालाब या अपशिष्ट-जल को उपचारित करने वाले तालाब या जलाशय भी इसमें शामिल हैं।सच तो यह है कि वेटलैंड्स की जैविक संरचना में पानी में रहने वाली मछलियां, पानी के आसपास रहने वाले प्रवासी पक्षी सब शामिल हैं। पाठकों को बताता चलूं कि आर्द्रभूमि ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ जल पर्यावरण और संबंधित पौधे व पशु जीवन को नियंत्रित करने वाला प्राथमिक कारक है। यदि हम वैटलैंड की परिभाषा की यहां बात करें तो 'स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों के बीच संक्रमणकालीन भूमि जहाँ जल आमतौर पर सतह पर होता है या भूमि उथले पानी से ढकी होती है।' सरल शब्दों में कहें तो आर्द्रभूमि (वैटलैंड) ऐसा भूभाग होता है जहाँ के पारितंत्र का बड़ा हिस्सा स्थाई रूप से या प्रतिवर्ष किसी मौसम में जल से संतृप्त (सचुरेटेड) हो या उसमें डूबा रहे। आर्द्रभूमियों में क्रमशः तटीय आर्द्रभूमियों, उथली झीलों और तालाबों, दलदल, स्वैंप्स,बॉग्स और मुहानों को शामिल किया जाता है। गौरतलब है कि वर्तमान में विश्व में 2400 से अधिक रामसर स्थल हैं जो 25 लाख वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैले हुए हैं। यदि हम यहां भारत की बात करें तो फरवरी 2022 तक भारत में 49 रामसर स्थलों का एक नेटवर्क है। यह 10,93,636 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करता है, जो दक्षिण एशिया में सबसे अधिक है। उल्लेखनीय है कि भारत में लगभग 4.6% भूमि आर्द्रभूमि के रूप में है, जो 15.26 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करती है। गौरतलब है कि भारत में आर्द्रभूमि ठंडे एवं शुष्क इलाकों से लेकर मध्य भारत के कटिबंधीय मानसूनी इलाकों तथा दक्षिण के नमी वाले इलाकों तक फैली हुई है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत में गंगा, ब्रह्मपुत्र के बाढ़ वाले मैदान से लेकर समुद्र किनारे मैंग्रोव तक, भांति-भांति प्रकार के वेटलैंड्स देखने को मिलते हैं।यह भी गौरतलब है कि आर्द्रभूमि संरक्षण के लिए समर्पित रामसर कन्वेंशन को 2 फरवरी 1971 को अपनाया गया था, जिसने विश्व आर्द्रभूमि दिवस के लिए मंच तैयार किया और पहली बार वर्ष 1997 में यह मनाया गया था। विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2025 का विषय या थीम 'हमारे साझा भविष्य के लिए आर्द्रभूमियों का संरक्षण' रखी गई है। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले साल यानी कि वर्ष 2024 में विश्व आर्द्रभूमि दिवस की थीम 'आर्द्रभूमि और मानव कल्याण' रखी गई थी। यह विषय मानव कल्याण के लिए इन प्राकृतिक आवासों की रक्षा हेतु साहसिक कार्रवाई की आवश्यकता को रेखांकित करता है ताकि भावी पीढ़ियां आर्द्रभूमियों से लाभ उठा सकें। उल्लेखनीय है कि मानव कल्याण के सभी पहलू जैसे कि शारीरिक, मानसिक और पर्यावरणीय कहीं न कहीं आर्द्रभूमि के स्वास्थ्य से जुड़े हुए हैं। आज संपूर्ण विश्व में जैव-विविधता, जलवायु और जल विनियमन के लिए महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि की रक्षा और इसे पुनर्स्थापित(रि-एस्टेबिलिस) करने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि आर्द्रभूमि विभिन्न प्रकार की प्रजातियों का घर हैं और जल शुद्धिकरण और बाढ़ नियंत्रण जैसी आवश्यक पारिस्थितिकी सेवाएं(इकोलॉजी सर्विसेज)प्रदान करती है विश्व वेटलैंड दिवस धरती पर मानव को इन प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा और रख-रखाव के लिए प्रोत्साहित करता है और शिक्षा इसमें महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। आज बदल रही जलवायवीय परिस्थितियों के बीच आर्द्रभूमियों का संरक्षण बहुत ही आवश्यक व जरूरी हो गया है। यह दिवस जहां एक ओर आर्द्रभूमि के महत्व पर प्रकाश डालता है और दुनिया भर में उनके संरक्षण को प्रोत्साहित करता है, वहीं पर दूसरी ओर यह दिवस वैश्विक आर्द्रभूमि संरक्षण और टिकाऊ प्रबंधन के लिए विश्व के विभिन्न देशों को एकजुट करने में भी महत्वपूर्ण व अहम् भूमिका निभाता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज धरती पर बढ़ते प्रदूषण यथा वायु,जल, मृदा से आर्द्रभूमियां लगातार प्रभावित होती चली जा रही है और इससे जैव-विविधता पर भी व्यापक असर पड़ रहा है। वर्ल्ड वैटलैंड डे प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसे खतरों से निपटने की आवश्यकता पर विशेष जोर देता है। कहना गलत नहीं होगा कि यह पर्यावरणीय महत्व पर विशेष ध्यान केंद्रित करके, विश्व समुदायों और सरकारों को आर्द्रभूमि संरक्षण को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करता है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि आर्द्रभूमि पृथ्वी के जलवायु को नियंत्रित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इतना ही नहीं, यह जल शुद्धिकरण और हमारी धरती की पारिस्थितिकी को भी संतुलित करती हैं। आर्द्रभूमियाँ बाढ़, सूखे और तूफान के खिलाफ बफर के रूप में कार्य करती हैं। वे कार्बन की भारी मात्रा संग्रहित करके जलवायु परिवर्तन को कम करते हैं। आर्द्रभूमियाँ सांस्कृतिक, मनोरंजक और सौंदर्य मूल्यों में योगदान करती हैं। बहुत कम लोगों को ही यह जानकारी होगी कि वेटलैंड्स अत्यधिक उत्पादक पारिस्थितिक तंत्र हैं जो दुनिया को मत्स्य उत्पादन का लगभग दो-तिहाई हिस्सा प्रदान करते हैं। उल्लेखनीय है कि जैव-विविधता की दृष्टि से आर्द्रभूमियाँ अत्यंत संवेदनशील होती हैं, क्योंकि विशेष प्रकार की वनस्पति व अन्य जीव ही आर्द्रभूमि पर उगने और फलने-फूलने के लिये अनुकूलित होते हैं।एक जानकारी के अनुसार आर्द्रभूमि के जीवाणु, पौधे व वन्यजीव, पानी, नाइट्रोजन और सल्फर के वैश्विक चक्रों का हिस्सा हैं। आर्द्रभूमि कार्बन को अपने पादप समुदायों व मिट्टी के भीतर कार्बन डाइऑक्साइड के रूप में वातावरण में छोड़ने के बजाय संग्रहीत करती है। वैटलैंड जानवरों और पौधों के लिये आवास प्रदान करते हैं।इतना ही नहीं, आर्द्रभूमियाँ सतही जल, वर्षा, भूजल और बाढ़ के पानी को अवशोषित करती हैं और धीरे-धीरे इसे फिर से पारिस्थितिकी तंत्र में छोड़ती है और इस तरह से वैटलैंड एक 'नैचुरल बैरियर' की भूमिका का निर्वहन करती है। आर्द्रभूमि (वैटलैंड) में पैदा होने वाली वनस्पतियां बाढ़ के पानी की गति को भी धीमा कर देती है, जिससे मिट्टी के कटाव(मृदा अपरदन) में कमी आती है। तात्पर्य यह है कि यह बाढ़ जैसी आपदा को रोकने में सहायक या मददगार साबित होती है। आर्द्रभूमियां न केवल मानव बल्कि जीव-जंतुओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। धरती के पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में तो इनकी भूमिका है ही। एक आंकड़े के अनुसार एक अरब से अधिक लोग जीवन यापन के लिये वैटलैंड्स पर निर्भर हैं और दुनिया की 40% प्रजातियाँ आर्द्रभूमि में निवास करती हैं एवं प्रजनन करती हैं। कहना गलत नहीं होगा कि आर्द्रभूमि बाढ़ सुरक्षा, स्वच्छ जल, जैव-विविधता और मनोरंजन के अवसरों,परिवहन, पर्यटन(जैसा कि वैटलैंड प्राकृतिक सुन्दरता के क्षेत्र होते हैं) और लोगों की सांस्कृतिक संरक्षण एवं आध्यात्मिकता में योगदान करती हैं, जो मानव स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए बहुत ही आवश्यक व जरूरी हैं। वैटलैंड आदिवासी लोगों के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र होते हैं क्यों ये क्षेत्र उन्हें जीने के लिए बहुत सी चीजें प्रदान करते हैं यथा कच्चा माल(रा मैटिरियल) मछलियां, पानी, जड़ी-बूटियां आदि। अंत में यही कहूंगा कि वेटलैंड्स धरती के लिए गुर्दे का काम करते हैं, क्यों कि ये गंदे पानी को स्वच्छ पानी में तब्दील करने की क्षमताएं रखते हैं।सच तो यह है कि जल-चक्र को बनाए रखने के लिए वेटलैंड्स का काफी महत्व है। जल संग्रहण, भूजल स्तर को बनाए रखने और पानी की सफाई तक में इसकी भूमिका है। बाढ़ का पानी अपने में समटेकर यह हमें बाढ़ से बचाने में बहुत ही मददगार है। मौसम परिवर्तन की घटनाएं जैसे बाढ़ और सूखे से निपटने में कई वेटलैंड्स सहायक हैं। आंकड़े बताते हैं कि आज विश्वभर के 87 प्रतिशत वेटलैंड्स खत्म हो चुके हैं। वर्ष 1970 के बाद दुनिया के 35 प्रतिशत वेटलैंड्स खत्म हो गए। भारत में एक तिहाई वेटलैंड्स शहरीकरण और कृषि भूमि के विस्तार, बढ़ती जनसंख्या की भेंट चढ़ गए। जानकारी के अनुसार पिछले कुछ दशकों में ही ऐसा हुआ है।आज शहरों में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में शहरों के आसपास या शहरों में ही कचरे के ढेर पहाड़ जैसे बनते जा रहे हैं, जिससे वेटलैंड्स के पाटे जाने का खतरा बना रहता है। कई जलस्त्रोत अपशिष्ट जल के भरने की वजह से तबाह हो गए। प्राकृतिक संसाधनों के बेजा दोहन से भी आज जलीय जीवन लगातार खतरे में है। संविधान के मुताबिक पर्यावरण का संरक्षण, संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें यह चाहिए कि हम जंगल, वन्यजीव, नदी और झील और वैटलैंड सबको बचाएं।

मां सरस्वती के आशिर्वाद से चराचर जगत में गूंज रही ध्वनियाँ

-सुरेश सिंह बैस शाश्वत

विद्या की देवी मां सरस्वती की वंदना हमारी प्राचीन परंपरा रही है। बंगाल में इस दिन सरस्वती पूजा विशेष धूमधाम से संपन्न की जाती है। मां सरस्वती की जयंती पर्व होने के साथ-साथ वसंतोत्सव का पर्व भी आज ही के दिवस में मनाया जाता है। वसंत ऋतु अर्थात ऋतुओं का राजा आज ही के दिन से प्रारंभ हो जाता है। सर्वत्र चहुंओर भीनी भीनी सुगंधित हवाएं विस्तारित होने लगती हैं। पेड़ों में नए नए पत्ते व कोंपले दिखने लगती हैं। पंछियों का खुशनुमा चाहचहाट और रंगीन फूलों की छटा बिखर जाती है। विद्या और कला की अधिष्ठत्री देवी सरस्वती से संबंधित इस पर्व पर शिशुओं को अक्षर ज्ञान कराने की भी परंपरा है। स्कूल कॉलेज और शिक्षा मंदिरों में आज के दिन विशेष रूप से शिक्षार्थियों शिक्षकों के द्वारा विशेष कार्यक्रम एवं सरस्वती पूजा का आयोजन किया जाता है। सरस्वती के वाग्देवी, श्वेत पद्मासना, वीणापाणि शारदा, हंस वाहिनी, आदि तमाम नाम हैं। यह भगवती? चार भुजाओं वाली हैं। ये श्वेत कमल पर विराजती हैं। प्रमुख वाहन हंस है। कभी-कभी मोर पर भी आरुढ़ रहती हैं। भगवती सरस्वती का श्रद्धा से पूजन करने वाले विद्या और सद्बुद्धि पाते हैं यशस्वी होते हैं और मोह माया के बंधन से मुक्त हो जाते हैं। स्कूल और महाविद्यालयों में इस शुभ दिवस को मां सरस्वती की पूजा का विशेष विधान रहता है छात्र गण नारियल अगरबत्ती धूप चंदनपुर पत्र आदि लेकर पीले वस्त्रों में विद्यालय में जा कर पूजा की क्रिया संपन्न करते हैं।

विद्या ददाति विनियम; विनयम ददाति पायताम; पात्रत्वाद धनमाप्नोति धनाद धर्मः ततोसुखमः

इस दिन मां सरस्वती जी की पूजा का कोई विशेष विधान नहीं है! इस दिन व्रत आदि भी नहीं रखा जाता है !सरस्वती पूजन कुछ इस प्रकार की जाती है! पूजन सामग्री हैः-सफेद वस्त्र, सफेद आसन, सफेद कमल धूप दीपक गुलाल सफेद चंदन, सफेद फूल, और फूलों की माला, पान की पत्ती, पूजा की सुपारी,नारियल, पंचामृत ,कपूर, मौली, सिंदूर, कुमकुम किताब, कमल और सरस्वती पूजन यंत्र की आवश्यकता पड़ती है! पूजा के पूर्व प्रथम रूप से स्नानादि से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र पहने पवित्र भाव से पूर्व दिशा की ओर आसन लगाकर बैठे ,फिर यंत्र और चित्र रखें! भक्ति पूर्वक कलश की स्थापना करें! तत्पश्चात विनायक गणेश, विष्णु ,सूर्य आदि देवों की विधिवत पूजा करें ,और अंत में अभीष्ट फल दायक भगवती सरस्वती का पूजन अर्चन करें !फिर स्त्रोत ,आरती प्रदक्षिणा आदि कार्य संपन्न करें ,भगवती सरस्वती की प्रार्थना का एक अत्यंत सुगम मंत्र है!

सरस्वती महाभागे विद्ये कमल लोचने!!

सरस्वती विद्या रुपे विशालाक्षी विद्यां देहि नमोस्तुते!!

एक अन्य शास्त्रीय विधि के अनुसार इस तिथि को लक्ष्मी और विष्णु का पूजन करना चाहिए। प्रातः काल उबटन तेल आदि लगाकर स्नान करना चाहिए ।फिर पीला वस्त्र धारण कर लक्ष्मी नारायण के मंदिर में जाकर अबीर, गुलाल, धूप, दीप, नैवेद्य आदि से विधिवत पूजन करना चाहिए ,वहीं कहीं कहीं इस तिथि को पित्र तर्पण और ब्राह्मण भोज का भी विधान है ।इस दिन सभी खासकर छात्र वर्ग प्रातः उठकर स्नान कर मां सरस्वती की पूजा करते हैं। विद्यार्थी अपने कलम, कॉपी ,पुस्तकों की भी पूजा करते हैं, बंगाल और उड़ीसा में देवी सरस्वती के आदमकद मूर्ति बसंत पंचमी के दिन स्थापित कर उसकी पूजा अर्चना की जाती है। पूजा स्थल के पास संगीत, नृत्य, नाटक आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होते हैं। इसके पश्चात मूर्ति को तालाब अथवा नदी में विसर्जित कर दिया जाता है। वैसे आजकल छत्तीसगढ़ सहित हमारे बिलासपुर शहर में भी अनेक स्थानों पर मां सरस्वती की मूर्ति स्थापित की जाती है।और सभी स्कूल व महाविद्यालयों में धूमधाम से बसंत पंचमी और मां सरस्वती की जयंती पर्व को मनाया जाता है। इस दिन प्रायः लोग मिष्ठान आदि बनाकर भगवती सरस्वती को भोग लगाते हैं। फिर प्रसाद के रूप में सभी को बांटते हैं। आम के पेड़ों पर लगने वाले मौर यानी फूल की भी इस अवसर पर विशेष रूप से पूजा की जाती है। विद्यार्थी इस दिवस को पढ़ते लिखते नहीं हैं। वह विद्या प्राप्ति के लिए सरस्वती की आराधना करते हैं । एक संयोग यह भी है कि महाकवि पंडित सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' बसंत पंचमी के दिन ही पैदा हुए थे! फिर तो सरस्वती पुत्र को उनकी आराधना तो करनी ही है!

वर दे वीणावादिनी वर दे ।
प्रिय ज्वतंम रव अमृत मंत्र
नव भारत में भर दें
वर दे वीणावादिनी वर दें।।

भगवती मां सरस्वती के जन्म का वृतांत सृष्टि के जन्म के काल की है । जब ब्रह्मा सृष्टि की रचना कर रहे थे तब सृष्टि की रचना करने के उपरांत ब्रह्मा जी ने अखिल विश्व की ओर दृष्टिपात किया। सभी दिशाओं में अजीब सी उदासी छाई थी। सारा वातावरण एकाकी और मूक बना था। वाणी हीन एकरसता की मूक नीरसता विद्यमान थी। विकट भयावह स्थिति थी। ऐसे में यह सृष्टि कैसे चलेगी...? सृष्टि कब तक रहेगी ? ऐसी जड़ता और मूकता पर ब्रह्मा जी ने सोचा और फिर उन्होंने अपने कमंडल से जल छिड़का ।अरे ...यह क्या ? जल छिड़कते ही वृक्षों से एक शक्ति उत्पन्न हुई। अनूप सौंदर्य शालिनी मंद मंद मुस्कान बिखेरते जिनके अंग अंग से उज्जवल प्रकाश की किरण फूट रही थी । जो चार भुजाओं वाली थीं। जो दो हाथों से वीणा बजा रही थीं। और अन्य दो हाथों से पुस्तक व माला धारण किए थीं। अब ब्रह्मा जी ने उस अनादि अनंत शक्ति से निवेदन किया कि वह अपनी वीणा बजा कर विश्व की मूकता और मलीनता को दूर भगाने में सहभागी हों। तदनंतर भगवती ने अपनी वीणा के मधुर नाद से जीवों को वाणी प्रदान की। इसीलिए इस शक्ति को सरस्वती कहा गया।

बजट पर प्रतिक्रिया गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड

मुंबई। यह एक बहुत ही उत्साहजनक बजट है और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और दीर्घकालिक सशक्त आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करने पर सरकार के फोकस को दर्शाता है। सरकार द्वारा उठाए गए कुछ कदम उपभोग मांग को काफी हद तक बढ़ाएंगे। अगले वित्तीय वर्ष के लिए बुनियादी ढांचा संबंधी पहलों और कुल पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) के अनुमान पर दिया गया जोर महत्वपूर्ण है। गौरव पांडे, सह-अध्यक्ष, फिक्की समिति (शहरी विकास और रियल एस्टेट) एवं प्रबंध निदेशक और सीईओ, गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड 2025-26 का बजट परस्पर जुड़े उद्योगों पर अपने रणनीतिक फोकस के जरिये भारत के सरफेस डेकोर क्षेत्र के लिए विकास का उल्लेखनीय मार्ग निर्धारित करता है। 11 लाख करोड़ का बुनियादी ढांचा निवेश शहरी विकास को गति देगा, जिससे नई परियोजनाओं में अच्छी गुणवत्ता वाले लेमिनेट, प्लाईवुड और सजावटी सरफेस की मांग बढ़ेगी। 25,000 करोड़ की पीएलआई योजना घरेलू विनिर्माण को मजबूत करती है, लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने और आयात निर्भरता को कम करने में मदद करती है। उड़ान योजना के क्षेत्रीय संपर्क का विस्तार आतिथ्य बुनियादी ढांचे में वृद्धि का वादा करता है, जिससे प्रीमियम सरफेस डेकोर के उपयोग के लिए अवसर पैदा होंगे। निर्माण, पर्यटन और विनिर्माण में सहायक नीतियों के साथ, हमारा उद्योग वहनीय, डिजाइन-फॉरवर्ड समाधानों के साथ भारत के वास्तुशिल्प परिदृश्य को आकार देने के लिए तैयार हैं।

रिपब्लिकन सेना ब रिपब्लिकन वाहतुक सेना कार्यालय का उद्घाटन समारोह

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के फुलेनगर चौक स्थित रिपब्लिकन सेना व वाहतुक सेना के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष बालू ओह्वाल के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन रिपब्लिकन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंदराज आंबेडकर के हाथों रिबन काटकर किया गया। बतादें कि कार्यालय के उद्घाटन समारोह के अवसर पर रिपब्लिकन सेना व वाहतुक सेना के भिवंडी पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों में राष्ट्रीय सचिव संजू बौडनकर, वरिष्ठ नेता समाजभूषण काकासाहेब खम्बालकर, महासचिव विनोद काले, श्रीमती ठोले, ठाणे अध्यक्ष आबासाहेब चास्कर, ठाणे महिलाध्यक्ष अल्काताई जगताप, सुशीला बालू ओह्वाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आम भारतीयों के सपनों को साकार करने वाला बजट: उदय प्रताप सिंह

मुंबई। मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह ने केंद्रीय बजट 2025-26 की सराहना करते हुए इसे आम भारतीयों के सपनों को साकार करने वाला बजट बताया है। उन्होंने आयकर स्लैब में किए गए सुधारों की प्रशंसा की, जिससे लोगों की बचत में वृद्धि होगी। साथ ही, उन्होंने शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में की गई घोषणाओं को भी सकारात्मक बताया। बजट में आयकर स्लैब में बदलाव किए गए हैं, जिससे मध्यमवर्गीय करदाताओं को राहत मिलेगी और उनकी बचत में वृद्धि होगी। बजट में शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं, जो इन क्षेत्रों के विकास में सहायक होंगी। उदय प्रताप सिंह ने इन सभी पहलों की सराहना की और बजट को देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

मुंबई में स्कूल को ढहाये जाने के दौरान चॉल पर खंभा गिरा, चार लोग घायल

मुंबई। मुंबई के सांताक्रूज पश्चिम इलाके में शुक्रवार को एक स्कूल की इमारत को ढहाये जाने के दौरान खंभे का एक हिस्सा चॉल पर गिरने से चार लोग घायल हो गए। नगर निगम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शाम सात बजकर 25 मिनट पर जुहू तारा रोड पर मानेकजी कूपर स्कूल में हुई। उन्होंने बताया, ह्यह्यस्कूल की इमारत को ढहाये जाने के दौरान खंभे का एक हिस्सा बगल की चॉल पर गिर गया। घायल हुए चार लोगों को नगर निगम द्वारा संचालित कूपर अस्पताल ले जाया गया। मनीष कुमार साहनी (24) नाम के एक व्यक्ति की हालत गंभीर है।ह्व

अधिकारी ने बताया कि कमलेशकुमार यादव (28) चिकित्सकों की निगरानी में हैं। अधिकारी ने बताया कि अन्य दो घायलों की पहचान शामकुमार यादव (20) और कृष्णकुमार यादव (26) के रूप में हुई है, जिन्हें उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

माता-पिता की सेवा किए बिना श्राद्ध का कोई अर्थ नही: राजन महाराज

भायंदर (उत्तरशक्ति)। प्रेमभूषण जी महाराज के कृपापात्र शिष्य पूज्य राजन महाराज के व्यासत्व में धर्मज्योति प्रचार सेवा संस्थान के तत्वावधान में 25 जनवरी से जैसलपार्क चौपाटी पर प्रवाहमान श्रीरामकथा गंगा में राजन महाराज ने श्रोताओं को भक्ति ज्ञान गंगा का रसपान करवाते हुए कहा कि, छल का त्याग किए बिना कोई भी पूजा सफल नहीं होती।भाषा चित्त की फसल होती है, जो जिह्वा से बाहर निकलती है। सुबह शोर युक्त पूजा भक्ति नहीं है, इससे भगवान कभी प्रसन्न नहीं होते, भगवान गूंगे की भी प्रार्थना स्वीकार करते हैं। अतः हमारे किसी भी व्यवहार से दूसरे को कष्ट नहीं होना चाहिए। हमारे ग्रंथ हमारी माता की तरह हैं, जिस प्रकार मां जिसे कहती है, हम उसे पिता मान लेते हैं। उसी प्रकार ग्रंथों ने जिन्हें भगवान माना है, उसे आप भी मान लीजिए मंगल होगा। भगवान को जानने से पहले मानना होगा। अपने पास उपलब्ध श्रेष्ठतम वस्तु भगवान को अर्पित करने के बाद ही स्वयं ग्रहण करना चाहिए। जिससे किसी की हानि न हो वही साधु है।पूज्य राजन महाराज की कथा रामवनवास, चक्रवर्ती जी के प्राणोत्सर्ग की कथा सुनाते हुए कहा कि, जीवित पिता की सेवा पहले करें, भगवान की बाद में। माता-पिता का श्राद्ध कर्म श्रद्धा से करें, किंतु उससे पहले जीवित अवस्था में उनकी सेवा भी होनी चाहिए, वरना भगवान की पूजा व्यर्थ हो जाएगी। भरत चरित्र का मार्मिक चित्रण करते हुए कथा व्यास बोले प्रेमविहीन विद्धान का मंत्र भी भगवान नहीं सुनते, किंतु प्रेम भाव से परिपूर्ण अनपढ़ की प्रार्थना को भगवान अवश्य सुन लेते हैं। अपने प्रेम से दूर हों, तब मन की निकटता बनाए रखना चाहिए। ये नारद की वीणा कहती है। युगों से मेरा राम केवल भजन में मिलेगा, 'भरत चले चित्रकूट हो रामा..' जैसे अनेक लोकप्रिय भजन सुनाए। पूज्य राजन महाराज की कथाओं को अपने वादक वृन्दों के साथ संगीत से सजाने वाले विनय भैया ने सदा की भांति संगत देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस श्रीरामकथा के मुख्य यजमान अनूप दान बहादुर सिंह और आयोजन समिति के अध्यक्ष नवीन रामधारी सिंह और उनके सहयोगियों शारदा प्रसाद पांडेय, आनंद पांडेय, एकता सिंह, एड प्रीति पांडेय हैं। कथा में अतिथि के रूप में मीरा-भायंदर के भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता, पूर्व उपमहापौर हसमुख गहलोत, वरिष्ठ नगरसेवक रोहिदास पाटिल, मदन उदित नारायण सिंह, हंसुकुमार पांडेय, पूर्व नगरसेविका शानू जोरावर गोहिल, भाजपा के भायंदर पूर्व मंडल अध्यक्ष रथीन दत्ता, भाजपा नेता एड राजकुमार मिश्रा, भाजपा के मुंबई सचिव एवं प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी बाबूलाल एम जैन, सूर्यकांत शर्मा, आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली, मुंबई हाई कोर्ट के युवा अधिवक्ता एड अशोक उपाध्याय, रश्मि बिल्डर के डायरेक्टर योगेश बोसमिया, सूरत से आए उद्योगपति अभिषेक सिंह, प्रवीण सिंह, अधिवक्ता - सुप्रीम कोर्ट प्रियंका सिंह, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडेय, राजेश उपाध्याय, सुधाकर सिंह 'बिसेन', हम रामजी रामजी हमारे हैं सेवा ट्रस्ट मुंबई के कोषाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह, दिनेश प्रताप सिंह, निशा शर्मा, वैद्य सुभाष शर्मा, संदीप तिवारी, अजय सिंह, अमित दूबे, गोलू पांडे आदि श्रद्धालुओं ने इस मानस मंदाकिनी में अवगाहन का सौभाग्य प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन विवेक सिंह तन्हा ने किया।

समाजसेवी अवध नारायण सिंह के यहां गणेश दर्शन करने पहुंचे चित्रसेन सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। माघी गणेश जयंती या माघ विनायक चतुर्थी, वर्ष के अंत में आने वाली गणेश चतुर्थी से अलग, भगवान गणेश के जन्म का उत्सव है। यह दिन हर साल हिंदू चंद्र माह माघ में शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन को भगवान गणेश के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी मुंबई के वरिष्ठ समाजसेवी अवध नारायण सिंह तथा उनके परिवार द्वारा माटुंगा पश्चिम स्थित अपने आवास पर दो दिनों (1 और 2 फरवरी) तक गणपति बप्पा की भव्य मूर्ति स्थापित की गई है। बप्पा का दर्शन करने के लिए आज भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रसेन सिंह उनके आवास पर पहुंचे। अवध नारायण सिंह और उनकी धर्मपत्नी ने उनका स्वागत किया। चित्रसेन सिंह ने भगवान गणेश से देश की शांति, सुरक्षा और विकास की प्रार्थना की।

डॉ. रविंद्र मिश्रा पूर्ण महाकुंभ 2025 स्मृति पत्र से सम्मानित

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महर्षि भारद्वाज सनातन अखाड़ा द्वारा पूर्ण महाकुंभ 2025 स्मृति पत्र से डॉ. रविंद्र मिश्रा को सम्मानित किया गया। यह स्मृति पत्र सनातन धर्म, योग, संस्कृति और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में किये गये उनके योगदान को मान्यता प्रदान करता है। डॉ. मिश्रा, जो कि राष्ट्रीय मानवाधिकार एवम् महिला बाल विकास आयोग के मुख्य महासचिव हैं, ने समाज में महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की रक्षा, न्याय व्यवस्था में सहयोग, और सामाजिक उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। उनकी संस्था वर्षों से जरूरतमंदों को कानूनी और सामाजिक सहायता उपलब्ध करा रही है। महाकुंभ केवल आध्यात्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि समाज सेवा का एक महत्वपूर्ण मंच भी है। इस अवसर पर डॉ. रविंद्र मिश्रा ने कहा, ह्यसनातन संस्कृति, योग और मानवाधिकार के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य करना मेरा कर्तव्य है। महाकुंभ जैसे पावन अवसर पर यह सम्मान पाकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे लिए केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारियों को और अधिक बढ़ाने की प्रेरणा है।ह्ण डॉ. मिश्रा के नेतृत्व में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवम् महिला बाल विकास आयोग ने कई जनकल्याणकारी योजनाओं को मूर्त रूप दिया है। उनकी संस्था महिलाओं, बच्चों और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए विभिन्न स्तरों पर काम कर रही है।

संस्था के कार्यों में प्रमुख रूप से शामिल हैं: 1. महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की रक्षा झ घरेलू हिंसा, शोषण और अन्य कानूनी सहायता प्रदान करना। 2. विधिक जागरूकता अभियान झ समाज के कमजोर वर्ग को उनके अधिकारों की जानकारी देना। 3. आजीविका और स्वरोजगार कार्यक्रम झ महिलाओं के लिए स्व-निर्भरता के अवसर उपलब्ध कराना। 4. शिक्षा और स्वास्थ्य अभियान झ गरीब तबके के बच्चों को शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना। 5. महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण अभियान झ समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना। डॉ. मिश्रा ने समाज से अपील की कि वे अधिक से अधिक सामाजिक कार्यों से जुड़ें और इस पवित्र कार्य में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि ह्यहमारे संगठन का लक्ष्य है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति को न्याय और सहायता मिले।ह्ण इस ऐतिहासिक अवसर पर महर्षि भारद्वाज सनातन अखाड़ा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी डॉ. मिश्रा के प्रयासों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूर्ण महाकुंभ 2025 का यह स्मृति पत्र न केवल सम्मान का प्रतीक है, बल्कि समाज और राष्ट्र सेवा की दिशा में एक नई ऊर्जा और संकल्प का प्रतीक भी है।

पालघर जिले के वरिष्ठ पत्रकार रामप्रकाश निराला के जन्मदिन अवसर पर संतोषी माता मंदिर, आशागढ़ पहुंचकर उन्हें शॉल ओढ़ाकर व पुष्पगुच्छ भेंट देकर शुभकामनाएं देते हुए दहानू शहर के सामाजिक कार्यकर्ता मोईज शेख व उद्योजक असद उल्ला (राजू) खान। छायांकन : उत्तरशक्ति

माघ मास शुक्ल पक्ष विनायक चतुर्थी तिथि पर शनिवार 1 फरवरी 2025 को वरिष्ठ पत्रकार पंकज डी.राऊत के निवास स्थान पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत साई बाबा नगर में स्थित बिल्डिंग नंबर 3 के फ्लैट नं. 3 में विघ्नहर्ता, मंगलमूर्ति, विघ्न विनाशक, दुःखहर्ता, सुखकर्ता भगवान श्री गणेश जी का आगमन हुआ है। इस पावन अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार पंकज राऊत के निवास स्थान पहुंचकर तमाम लोगों ने सिद्धि विनायक भगवान श्री गणेश जी का दर्शन पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। छायांकन : उत्तरशक्ति

जवाहर नवोदय विद्यालय में आयोजित स्पीक मैके का नृत्य कार्यक्रम संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। पी.एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, पालघर में राजश्री शिरके व उनकी टीम ने विद्यार्थियों के बीच में स्पीक मैके के बैनर तले नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना व दीप प्रज्वलन करके की गई। तत्पश्चात पुष्प गुच्छ देकर अतिथियों का स्वागत किया गया। श्री गणेश वंदना के सस्वर गायन के साथ राजश्री शिरके ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया। रावण-मंदोदरी संवाद पर उनकी शिष्या वैष्णवी गुप्ता के साथ स्वयं उनकी नृत्य शैली देखते ही बनती थी। विद्यार्थियों ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। तबला पर अनिरुद्ध शिरके, हारमोनियम पर सचिन मोरे जी ने बड़ी ही बखूबी के साथ अपनी-अपनी भूमिका का निर्वहन किया।दो घंटे तक चले इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को भारतीय नृत्य शैली की लगभग हर विधाओं से परिचित कराया गया।शिष्या वैष्णवी गुप्ता के साथ आदरणीया शिरके जी ने गणिका संत कान्होपात्रा के ऊपर अभंग नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। प्रधानाचार्य की अनुपस्थिति में इंचार्ज प्रधानाध्यापक श्री इंद्र राज यादव ने आभार ज्ञापन किया और रात्रि भोज के निमंत्रण के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गयी।

एसआरके ने सस्टेनेबिलिटी में एक नया मानदंड स्थापित किया

मुंबई। नेचुरल हीरों के उत्पादन और निर्यात में वैश्विक अग्रणी श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स (एसआरके) पर्यावरणीय प्रबंधन के साथ दीर्घकालिक स्वच्छ और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने वैश्विक उद्योग औसत की तुलना में प्रति कैरेट ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में 34% की कमी हासिल कर सस्टेनेबिलिटी में एक नया मानक स्थापित किया है।

हर साल 28 जनवरी को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन कटौती दिवस पर घोषित इस उल्लेखनीय उपलब्धि को ड्यूश क्वालिटी सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्वतंत्र रूप से सत्यापित और मान्य किया गया है। यह एक प्रसिद्ध आईएसओ प्रमाणन संस्था है, जो ग्रीनहाउस गैस प्रोटोकॉल, आईएसओ 14064 और आईएसओ 14067 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करता है।

नवंबर-2024 तक एसआरके ने प्राकृतिक हीरे के प्रति कैरेट केवल 70.49 "उड2ी उत्सर्जन दर्ज किया, जिसने एक महत्वपूर्ण बेंचमार्क स्थापित किया। कंपनी अब अपनी उत्पादन सुविधाओं में नवीकरणीय ऊर्जा, विशेष रूप से सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ाकर उत्सर्जन को और कम करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

एसआरके के चीफ ह्यूमन कैपिटल और सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर डॉ. नीरव मंदिर ने कहा कि हम न केवल अपने व्यवसाय के लिए, बल्कि वैश्विक स्तर पर नेचुरल हीरा उद्योग के लिए एक सकारात्मक और स्थायी प्रभाव पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन को संबोधित करके और अब स्कोप 3 को लक्षित करके हम एक पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ भविष्य का निर्माण कर रहे हैं, जो वास्तव में हमारे उद्योग और पूरी पृथ्वी को लाभान्वित करेगा।

एसआरके अपने आधुनिक नवोन्मेषी दृष्टिकोण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। यह ह्यउद्भव से अंतरह्ण रणनीति के साथ संचालित होता है, जिसमें कच्चे माल के निष्कर्षण से लेकर हीरा तैयार होने तक के सभी चरणों को शामिल किया जाता है। यह व्यापक प्रयास, वास्तव में एसआरके को हीरा उद्योग में पर्यावरण के अनुकूल और जिम्मेदार प्रथाओं को चलाने और बढ़ावा देने में एक प्रमुख अग्रणी के रूप में स्थापित करता है।

मई-2024 में एसआरके को नेट-जीरो एनर्जी के साथ काम करने वाली दुनिया की पहली कंपनी के रूप में मान्यता दी गई थी। यह उपलब्धि नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे छत पर सौर ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन और सीवेज उपचार जैसी कई पहलों को अपनाकर हासिल की गई, जिससे इसके कार्बन फुटप्रिंट में भारी कमी आई है।

साथ ही, पानी, अपशिष्ट और कार्बन के लिए शुद्ध-शून्य हासिल करने के इसके प्रयास जारी हैं। रफ्क ने अपनी ग्रीन इमारतों के लिए छएएऊ प्लैटिनम प्रमाणन हासिल किया है। इसके अलावा, यह सबसे अधिक आईएसओ प्रमाणपत्रों के साथ उद्योग में अग्रणी है, जो वास्तव में गुणवत्ता, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और स्वास्थ्य और सुरक्षा पर इसके फोकस को दर्शाता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

एचडीएफसी एटीएम से 13.60 लाख की चोरी में शाहगंज पुलिस को मिली सफलता, कैश लोडिंग कर्मचारी गिरफ्तार

शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के शाहगंज में स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम से हुई 13 लाख से अधिक रुपए की चोरी के मामले में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की जिसमें हिटाची कैश मैनेजमेंट सर्विसेज के कर्मचारी आकाश दुबे को शनिवार की सुबह शाहगंज रोडवेज से गिरफ्तार किया गया। आकाश एटीएम में कैश लोडिंग का काम करता था। आपको बताते चले कि उसने ही मुख्य आरोपी शशांक सिंह को वॉल्ट खोलने का पासवर्ड बताया था। ज्ञात हो कि घटना पिछले साल अक्टूबर की है। जब 10 अक्टूबर को एटीएम में 9 लाख रुपए लोड किए गए थे। यह 11 अक्टूबर को एटीएम से पैसे नहीं निकलने की शिकायत मिली और अगले दिन शशांक सिंह ने वॉल्ट खोलकर पैसे चुरा लिए। मामले में एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि शशांक सिंह कंपनी के एक मृत्यु कर्मचारी शुभम सिंह के दस्तावेज का दुरुपयोग कर रहा था। शुभम की मृत्यु जनवरी में ही हो चुकी थी। जिसमें आकाश दुबे को गिरफ्तार किया गया क्षेत्राधिकार शाहगंज अजीत सिंह चौहान के नेतृत्व में संतोष कुमार शुक्ला अशोक कुमार सिंह अमरनाथ यादव और अमन यादव की टीम ने जौनपुर के हरीपुर निवासी आकाश दुबे को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता पाया और विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया।

संतोष अग्रहरि बने उप्र उद्योग व्यापार मण्डल के प्रदेश कोषाध्यक्ष

दिनेश टण्डन, सोमेश्वर केसरवानी सहित तमाम पदाधिकारियों ने दी बधाई

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल के निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष अग्रहरि को प्रदेश कोषाध्यक्ष चुना गया। यह चयन प्रदेश अध्यक्ष मुकुन्द मिश्रा ने प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र गुप्ता, डा. दिलीप सेठ एवं प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामतीर्थ सिंघल सदस्य विधान परिषद के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान किया। बता दें कि संतोष अग्रहरि जी निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष हैं जो पूर्व में प्रदेश संगठन मंत्री का दायित्व भी सम्भाल चुके हैं। इसके अलावा वाराणसी मण्डल अध्यक्ष रहने के अलावा लगातार 15 वर्षों तक जौनपुर युवा टीम के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। वहीं यह जानकारी होने पर जिलाध्यक्ष दिनेश टण्डन, प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी, प्रदेश मंत्री महेन्द्र सोनकर, जिला महामंत्री रामकुमार साहू, जिला कोषाध्यक्ष बनवारी लाल गुप्ता, जिला संरक्षक राजदेव यादव, अशोक बैंकर, छब्बू लाल सोनकर सहित तमाम जिला एवं प्रदेशस्तरीय पदाधिकारियों ने संतोष अग्रहरि को बधाई दिया।

तमन्चा, कारतूस व चोरी की मोबाइल के साथ दो अभियुक्त व एक बाल अपचारी को पवाँरा पुलिस ने किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ।विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मछलीशहर जौनपुर के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष पवांरा के कुशल मार्गदर्शन मे उ0नि0 विनोद कुमार अंचल थाना पवारा जनपद जौनपुर मय हमराही कर्मचारीगण द्वारा दिनांक- 31.01.2025 को मुखबीर की सूचना पर बरेठी पुलिया से मु0अ0सं0 15/2025 धारा 304(2) बीएनएस से सम्बन्धित झपट्टे मार कर मोबाइल छिन कर भागने वाले अभियुक्तगण 1.विशाल कुमार रजक पुत्र रामाश्रय उम्र करीब 23 वर्ष निवासी बनवीरपुर थाना मुगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर 2.अतुल कुमार पुत्र राजेश सरोज उम्र करीब 20 वर्ष निवासी बनवीरपुर थाना मुगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर व बाल अपचारी 3. शनी यादव पुत्र रामकैलाश यादव निवासी बनवीरपुर थाना मुगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर को एक तमन्चा अवैध 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर व दो मोबाईल विवो व एक मोटरसाइकील नं वढ 62 उर 5519 के साथ नियमानुसार गिरफ्तार किया गया तथा तमन्चा व कारतूस बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 16/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम विशाल कुमार रजक पुत्र रामाश्रय निवासी बनवीरपुर थाना मुगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर के विरुद्ध पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त व बाल अपचारी को नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए। न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

सड़क हादसे में घायल छात्र दीपचंद्र यादव की इलाज के दौरान मौत

आक्रोशित छात्रों ने मेडिकल कॉलेज के सामने किया प्रदर्शन, शाहगंज मार्ग रहा घंटों जाम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) के सामने सड़क दुर्घटना में घायल हुए डीएमएलटी छात्र दीपचंद्र यादव की इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गई। इस खबर के बाद आक्रोशित छात्रों ने मेडिकल कॉलेज के सामने लुंबिनी-दुद्धी राज्यमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। छात्रों ने प्रशासन और मेडिकल कॉलेज के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सड़क पर घंटों प्रदर्शन किया, जिससे यातायात बाधित हो गया। सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के जफरपुर गांव निवासी दीपचंद्र यादव शुक्रवार को मेडिकल कॉलेज के सामने एक वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद साथी छात्रों ने तत्काल मेडिकल कॉलेज में एंबुलेंस की मांग की, लेकिन कोई सहायता नहीं मिली। अंततः दोस्तों ने उन्हें ऑटो से जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। छात्रों का आरोप था कि यदि मेडिकल कॉलेज प्रशासन समय पर एंबुलेंस मुहैया कराता।तो दीपचंद्र की जान बच सकती थी। इस लापरवाही के विरोध में छात्रों ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और प्राचार्य डॉ. रुचिरा सेठी को बुलाने की मांग करने लगे। छात्रों के विरोध प्रदर्शन के कारण लुंबिनी-दुद्धी राज्यमार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। छात्रों ने किसी को भी रास्ता पार करने नहीं दिया, जिससे मेडिकल कॉलेज की ओपीडी सेवाएं ठप हो गईं। दूर-दराज से आए मरीजों और उनके परिजनों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कई गंभीर मरीजों को बिना इलाज लौटना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही सराय ख्वाजा थाना प्रभारी विनय प्रकाश सिंह, खेतसराय पुलिस और महिला पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने छात्रों को शांत करने की कोशिश की, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। छात्रों की मुख्य मांगें थीं। मेडिकल कॉलेज के सामने स्पीड ब्रेकर बनाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं न हों। मृतक दीपचंद्र के परिवार को आर्थिक सहायता दी जाए। मेडिकल कॉलेज प्रशासन की लापरवाही की जांच हो और दोषियों पर कार्रवाई की जाए। प्राचार्य डॉ. रुचिरा सेठी को तत्काल उनके पद से हटाया जाए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सीओ सदर देवेश सिंह और एसडीएम पवन कुमार मौके पर पहुंचे। वाराणसी से पीडब्लूडी के जूनियर इंजीनियर को बुलाया गया।जिन्होंने शाम तक स्पीड ब्रेकर बनवाने का आश्वासन दिया। घटना की खबर मिलते ही समाजवादी पार्टी के मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मेडिकल कॉलेज प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए मृतक के परिवार के लिए मुआवजे की मांग की। इस दौरान उनकी थाना प्रभारी से तीखी बहस भी हुई। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर छात्रों की मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे धरने पर बैठने को मजबूर होंगे।

यह आम आदमी, गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति का बजट: पुष्पराज सिंह

वित्त मंत्री ने गरीबों, मध्यम वर्गीय के लिए शानदार बजट पेश किया है और कृषि व चिकित्सा क्षेत्र जैसे कई क्षेत्रों को कवर किया: आमोद सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मोदी सरकार द्वारा पेश किये गये बजट पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि मोदी सरकार द्वारा पेश किया गया बजट विकसित भारत के सपने को साकार करने में सहायक बनेगा। उन्होंने कहा कि यह आम आदमी का बजट है। यह गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति का बजट है। यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक पहुंचने में सहायक साबित होगा। मोदी सरकार द्वारा लाया गया ये बजट, एक दूरदर्शी बजट है। जो विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार साबित होगा। आत्मनिर्भर भारत का यह बजट स्वतंत्रता के 100वें वर्ष के नए भारत की नींव बनेगा। इस बजट में देश के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट भारत को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने में सहायक सिद्ध होगा। यह बजट गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगा उन्होंने आगे कहा कि आज भारत के विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। ये 140 करोड़ भारतीयों के आकांक्षाओं का बजट है। ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है। हमने कई सेक्टर युवाओं के लिए खोल दिए हैं। ये विकसित भारत के मिशन को ड्राइव करने वाला है।ये बजट बल गुणक है। ये बजट बचत को बढ़ाएगा। निवेश को बढ़ाएगा और ग्रोथ को भी तेजी से बढ़ाएगा। मैं वित्त मंत्री को इसके लिए बधाई देता हूं। आमतौर पर बजट का फोकस इस बात पर रहता है कि सरकार का खजाना कैसे भरेगा।लेकिन ये बजट उससे बिलकुल उल्टा है। ये बजट, देश के नागरिकों की जेब कैसे भरेगा। देश के नागरिकों की बचत कैसे बढ़ेगी और देश के नागरिक विकास के भागीदार कैसे बनेंगे? ये बजट इसकी एक बहुत मजबूत नींव रखता है। उन्होंने कहा कि आज देश 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र को लेकर चल रहा है। इस बजट में इसके लिए बहुत महत्वपूर्ण और ठोस कदम उठाए गए हैं। इस बजट में एक करोड़ पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए 'ज्ञान भारत मिशन' को शुरू किया गया है। बजट में रिफॉर्म की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। इस बजट में रिफॉर्म की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। न्यूक्लियर एनर्जी में प्राइवेट सेक्टर को बढ़ावा देने का निर्णय बहुत ही ऐतिहासिक है। बजट में रोजगार के सभी क्षेत्रों को हर प्रकार से प्राथमिकता दी गई है। पिछले 10 वर्षों में, मोदी सरकार के विकास ट्रैक रिकॉर्ड और संरचनात्मक सुधारों ने महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। इस सरकार के पहले दो कार्यकालों के दौरान किए गए परिवर्तनकारी कार्य एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं। जिससे यह सरकार दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने में सक्षम हुई है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह ने बजट की सराहना करते हुये कहा कि वित्त मंत्री ने गरीबों, मध्यम वर्गीय के लिए शानदार बजट पेश किया है। कृषि क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र जैसे कई क्षेत्रों को कवर किया है। इस शानदार बजट पेश करने के लिए मैं पीएम मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी को साधुवाद देना चाहता हूं और मै इस बजट का स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने हमेशा राष्ट्र निर्माण में मध्यम वर्ग की सराहनीय ऊर्जा और क्षमता पर विश्वास किया है। उनके योगदान को मान्यता देते हुए, सरकार ने समय-समय पर उनके कर के बोझ को कम किया है। 2014 मे कर स्लैब को बढ़ाकर रु.2.5 लाख कर दिया गया। जिसे 2019 में बढ़ाकर रु.5 लाख और 2023 में रु.7 लाख कर दिया गया। नई व्यवस्था के अंतर्गत 12 लाख रुपये तक की आय अर्थात पूंजीगत लाभ जैसी विशेष दर आय को छोड़कर प्रति माह 1 लाख रुपये की औसत आय पर कोई आयकर नहीं देना होगा।वेतनभोगी वर्ग के लिए, रु.12.75 लाख की वार्षिक आय तक कोई आयकर लागू नहीं है। क्योंकि वेतनभोगी वर्ग को रु.75,000 का मानक कटौती लाभ उपलब्ध है।

15.41 करोड़ की लागत से 7.2 किलोमीटर सड़क मार्ग की चौड़ीकरण व सौंदर्यकरण की मिली मंजूरी

विधानसभा मड़ियाहूं में एनएच-135ए संजय नगर और से रसवदिया होते हुए परियत तक सड़क मार्ग का होगा कायाकल्प: डा.आरके पटेल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुकंपा से विधानसभा मडियाहू में नेशनल हाईवे संजय नगर औरा से रसवदिया परियत की ओर जाने वाली सड़क मार्ग का 15.41 करोड़ की लागत से 7.2 किलोमीटर सड़क मार्ग की चौड़ीकरण व सौंदर्यकरण की मंजूरी मिली। जिसमे 3 करोड़ रुपए की पहली धनराशि जारी हो गई है। बाजार में दोनों तरफ जल निकासी के लिए नाली का निर्माण भी कराया जाएगा। विधायक मड़ियाहूं डॉक्टर आर के पटेल ने बताया कि यह सड़क बहुत ही खराब चलने लायक नहीं थी जिससे क्षेत्र के कई गांव की जनता को समस्या होती थी । कई बार शासन प्रशासन को अवगत कराया गया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो रहा था। यह मार्ग क्षेत्र के महाविद्यालय, विद्यालय, मंदिर स्वास्थ्य केंद्र, और कई गांवों को जोड़ता है। मैंने इस समस्या को माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को पत्र के माध्यम से मिलकर अवगत कराया। इस मार्ग को मुख्यमंत्री जी ने स्वीकृत कर दिया और धनराशि की पहली किस्त 3 करोड़ जारी कर दिया गया है। हम सभी क्षेत्रवासियों की तरफ से माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देते हैं और आभार प्रकट करते हैं। यह सड़कऔर बगल में नाली बन जाने से पानी बहाने की समस्या भी नहीं होगी।

यूनाइटेड इण्डिया इन्श्योरेंस परिवार सदैव हमारे दिल में रहेगा: मनोज श्रीवास्तव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड शाखा कार्यालय जौनपुर में विदाई समारोह पार्टी का आयोजन किया गया जिसमें मनोज श्रीवास्तव प्रशासनिक अधिकारी को सेवानिवृत्ति होने पर शाखा कार्यालय के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक शिवलाल यादव, कैशियर राजपति यादव, एवं सहतू राम जी ने मनोज श्रीवास्तव को अंगवस्त्रम पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सेवानिवृत्त कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं वरिष्ठ शाखा प्रबंधक शिवलाल यादव ने कहा कि मनोज ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के एक स्तंभ के रूप में काम किया और मनोज जी का सहयोग और समर्पण कंपनी के प्रति सराहनीय रहा एवं शाखा को विकसित शाखा बनाने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहते थे वहीं कार्यक्रम में उपस्थित सेवानिवृत हो रहे मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि ने कहा कि यूनाइटेड इंश्योरेंस परिवार हमेशा हमारे दिल में रहेगा हमारी शुभकामनाएं यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के सभी आधिकारीकर्मचारी गण एवं अभिकताओं के साथ है। वही कार्यक्रम में उपस्थित जनरल इन्श्योरेंस एजेंट्स आर्गनाइजेशन ऑफ इण्डिया जौनपुर के जिला उपाध्यक्ष राज यादव ने कहा कि मनोज श्रीवास्तव का हम अभिकर्ताओ के प्रति बहुत अच्छा व्यवहार रखते थे तथा हमेसा सहयोग की भावना रखते थे। वही सेवानिवृत्त कार्यक्रम में आजमगढ़ शाखा से आये सेवानिवृत्त अधिकारी निरन्जन राय,अमर सिंह, अजय सिंह को वरिष्ठ शाखा प्रबंधक शिवलाल ने माल्यापर्ण कर बुके देकर सम्मानित किया तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया वाजिदपुर जौनपुर के शाखा प्रबन्धक संतोष कुमार झा को माल्यापर्ण कर सम्मानित किया। इस मौके पर रमजान अहमद, सुजीत पटेल सेवालाल पाल, अभिकर्ता विजय मिश्रा, अमित वर्मा, प्रगति सिंह, अनुराग लाल यादव, नरेंद्र त्रिपाठी, विमल श्रीवास्तव, सुशील यादव एवम समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

भंडारे में कुंभ यात्रियों की उमड़ी भारी भीड़, किया भोजन

एमएलसी ने भंडारा में महाकुंभ यात्रियों को किया भोजन वितरण

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के मिजार्मुराद में

महाकुंभ यात्रियों के सेवा कार्य हेतु सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के रखौना स्थित पेट्रोल पंप के बगल में हाईवे के किनारे कुम्भ यात्रियों के लिए निशुल्क भंडारा का आयोजन किया गया।भंडारे में आए हुए कुंभ यात्रियों को भाजपा जिला अध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, एमएलसी धर्मेंद्र राय तथा सेवापुरी विधायक नील रतन पटेल नीलू के प्रतिनिधि अदिति पटेल ने पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकताओं के साथ अपने हाथों से यात्रियों को भोजन वितरण किया। इस अवसर मुख्य रूप से सिद्धार्थ कुशवाहा, प्रवीण सिंह गौतम, नारायण सिंह, संजीव सिंह गौतम, विद्यापीठ ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रवेश पटेल, शैलेंद्र सिंह शैलू, अश्वनी पांडेय, सुजीत पाल, ज्ञानेश जोशी, राम सकल पटेल, रामविलास पटेल, अरविंद पटेल, अनिल कुमार पांडेय, बैजनाथ पटेल, जगदीश जायसवाल इत्यादि लोग शामिल रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में 96 शिकायतों में से 20 का मौके पर हुआ निस्तारण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में तहसील मछलीशहर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा गम्भीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए कहा गया कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि फरियादियों की सुनवाई करते हुए प्रभावी निस्तारण कराया जाए जिससे पीड़ितों को न्याय मिल सके।जिलाधिकारी के द्वारा समस्त लेखपाल को निर्देशित किया गया कि शिकायतकताओं की ऐसी समस्याएं जिनका निस्तारण मौके से किया जाना संभव है उसे प्राथमिकता देते हुए निस्तारित कराएं। जिलाधिकारी के द्वारा फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। इस दौरान 96 शिकायते प्राप्त हुई, जिसमें लगभग 20 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।इसी प्रकार अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 रामअक्षयबर चौहान की अध्यक्षता में तहसील मडियाहूं के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसी क्रम में अन्य तहसीलों में भी फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए उसके निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया गया।

तमंचा व कारतूस के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे। अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक लाइन बाजार के मार्गदर्शन में उप निरीक्षक जितेन्द्र गुप्ता मय हमराह द्वारा चेकिंग के दौरान सिद्धनाथ बाबा मंदिर के पास सैदाबाद कलवारी से दिनांक- 01.02.2025 को अभियुक्त धीरज मौर्या पुत्र मुंशीराम मौर्या निवासी सैदाबाद कलवारी थाना लाईन बाजार जौनपुर को 01 तमंचा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतुस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 57/25 धारा 9/25 आर्मस एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

वाराणसी में मनबढ़ों ने ठेले संचालक पर किया हमला, हाथ में घोंपी टिक्के की सींक, मौके पर पुलिस जांच में जुटी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के ककरमत्ता क्षेत्र में एलिजेंस होटल के सामने स्थित 'सब्बू बिरयानी' नामक ठेला संचालक को कुछ मनबढ़ों ने मारकर बुरी तरह से किया घायल। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ठेले के संचालक के दुकान पर कुछ लोग आते ही मारपीट शुरू कर दी, और लोहे के टिक्के वाले छड़ से बुरी तरह मारा और संचालक के यहां काम करने वाले ने बीच बचाव की कोशिश की तो हमलावरों ने उनके हाथ में टिक्के की सींक घोंप दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तुरंत ट्रॉमा सेंटर में इलाज के लिए भेजा गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर मनबढ़ों को पकड़ने के लिए छानबीन शुरू कर दी है। स्थानीय व्यापारियों में इस घटना के बाद भय और आक्रोश का माहौल है। उन्होंने सुरक्षा की मांग करते हुए प्रशासन से कठोर कार्रवाई की अपील की है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर कानून के तहत सख्त सजा दिलाई जाएगी।

आबिश इमाम को बनाया गया पूर्वांचल राज्य जनांदोलन पार्टी का संयुक्त राष्ट्रीय महासचिव संगठन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के ख़्वाजादोस्त निवासी आबिश इमाम को पूर्वांचल राज्य जनांदोलन पार्टी (भारत निर्वाचन आयोग पंजीकृत क्षेत्रीय राजनैतिक दल का संयुक्त राष्ट्रीय महासचिव संगठन)। श्री इमाम के मनोनयन से पी.आर.जे.पी. को ताकत मिलेगी। इमाम राजनैतिक प्रशासनिक परिवार से जुड़े हुए हैं और शुरूआती समय से पृथक पूर्वांचल राज्य जनांदोलन के सदस्य हैं।जिसको देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज राही हिन्दुस्तानी ने उनको ये दायित्व दिया है। साथ ही साथ जनपद में संगठन गठित करने की भी जिम्मेदारी दी है। इमाम के मनोनयन से जनपद एवं पूर्वांचल राज्य जनांदोलन की राष्ट्रीय महासचिव वंदना रघुवंशी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश पांडेय, शक्ति सिंह, प्रोफेसर विनोद सिंह, शम्मी नारंग, इत्यादि ने हर्ष जाहिर किया है।

रोडवेज बस की टक्कर से ट्रक में लगी भीषण आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

रियाजुल हक खान

जौनपुर(उत्तारशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के रामपुर सोईरी गांव के पास स्थित हाईवे पर शनिवार की सुबह ट्रक और रोडवेज बस के बीच हुई टक्कर से ट्रक के इंजन में आग लग गई जिससे ट्रक जलने लगी। दोनों वाहनों के बीच टक्कर होते ही बस में बैठे यात्री व चालक मौका पाकर तुरंत कुद पड़े जिससे उन्हें हल्की चोटे आई है। टकराव के बाद ट्रक के आगे वाले हिस्से में भीषण आग लगने के कारण उसमें बैठे चालक ने कूदकर जान अपनी जान बचा ली। घटना के बाद स्थानीय लोगों व दमकल विभाग की टीम के मदद से आग पर काबू पा लिया है लेकिन ट्रक चालक अपनी ट्रक छोड़कर वहां से कहीं चला गया है। ट्रक में आग लगने का विडियों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें देखा जा सकता है कि बीच सड़क पर खड़ी ट्रक धू धूकर जल रही है और उसके पीछे खड़े कई वाहन जाम में फंसे हुए हैं। फिल्हाल इस घटना में किसी को कोई बड़ी हानि नहीं पहुंची है। मौके पर पहुंची पुलिस बीच सड़क पर खड़ी ट्रक को वहां से किनारे करवा कर पीछे जाम में फंसे सभी वाहनों को जाम से निजात दिलवा दिया। फिल्हाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

रिहायशी मड़हे में घुसी अनियंत्रित कार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरपतहा थाना क्षेत्र के सराय मोहद्दीनपुर में अनियंत्रित कार एक रिहायशी मड़हे में घुस गई जिसके कारण महिला समेत चार लोग घायल हो गए हैं। मामला शनिवार की दोपहर का बताया जा रहा है। इसी थाना क्षेत्र के मोहद्दीनपुर में रिहायशी मड़हे में एक ही परिवार की चार महिलाएं गृहस्थी के काम में व्यस्त थी कि अचानक एक कार मड़हे को चीरते हुए अंदर घुस गई जिसके कारण अंदर मौजूद रहीं चारों महिलाएं कार की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया। फिल्हाल इस घटना की सूचना पुलिस को लोगों ने दे दी है।

प्रभाकर महात्रे के आवास पर विराजे गणपति बप्पा

मीराभायंदर। मीरा रोड, उप मुख्य लेखा परीक्षक अधिकारी प्रभाकर महात्रे के घोडबंदर गांव स्थित उनके आवास पर माघी गणेश जयंती के शुभ अवसर पर गणेश प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा अर्चना किया गया। साथ ही प्रभाकर म्हात्रे के जन्मदिन केक काटकर बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में अधिकारी वो पदाधिकारी एवं संस्था से जुड़े समाजसेवी पत्रकार बंधु तथा अतिथि गण्यमनों ने उपस्थित होकर भगवान गणपति बप्पा को दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ में प्रभाकर म्हात्रे के जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सैनिक बन्धु की बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के निर्देश क्रम में नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सैनिक बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई।बैठक में भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं और उनकी शिकायतों से सम्बन्धित प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण का आश्वासन दिया गया। बैठक में पूर्व सैनिकों के पेंशन, जमीनी विवाद, चिकित्सा, विद्युत से सम्बन्धित शिकायते सुनी गयी और सम्बन्धित विभागां को निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ले0 कर्नल विजय अहलावत (अ0प्रा0), सीओ सिटी आयुष श्रीवास्तव, जिला पूर्ति अधिकारी सन्तोष विक्रम शाही सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

काशी में मंदिर से लेकर घाटों तक श्रद्धालुओं का सैलाब

वाराणसी। महाकुंभ के पलट प्रवाह से काशी में भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा है। सड़को से लेकर मंदिर और घाट के साथ ही रेलवे स्टेशनों तक श्रद्धालुओं की भीड़ दिख रही है। गंगा में चल रही नाव और क्रूज भी श्रद्धालुओं से भरे हैं। वहीं पुलिस व प्रशासन की टीमें भीड़ प्रबंधन में जुटी हैं। मौके पर ड्रोन से निगरानी की जा रही है। काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वहीं भीड़ अधिक होने के चलते गंगा आरती में लोगों को न आने के लिए पुलिस व प्रशासन द्वारा अपील की गई है। काशी विश्वनाथ मंदिर में दोपहर 12 बजे के बाद श्रद्धालुओं की भारी भीड़ हो गई। दशाश्वमेध घाट से दो लाइनें लग गईं।

अवैध निर्माण कर चल रहा था होटल व हुक्का बार

गोरखपुर(उत्तरशक्ति)। शाहपुर क्षेत्र में एक बिल्डिंग में अवैध निर्माण कर फ्लाई इन होटल व रेस्टोरेंट/हुक्का बार जीनस बॉटल चल रहा था, जिसे शनिवार को गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की टीम ने सील कर दिया। शाहपुर में गीता वाटिका के पास अनुराग सिंह के फ्लाई इन होटल के ऊपरी तल पर हुक्का बार का संचालन हो रहा था। अनिरुद्ध ओझा की ओर से इसका संचालन किया जा रहा था। 10 जनवरी को छापा मारकर पुलिस ने इसे पकड़ा था।

महाकुंभ में बिछड़ी दो महिलाएं,पहुँची शाहगंज,पुलिस ने महिला को परिवार से मिलाया

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार को नगर के आसपास के गाँव मे एक महिला पुराने कपड़ों में गांव-गांव भटक रही थी।अचानक किसी युवक ने उससे पूछा कौन हो। महिला ने कहा कि मैं महाकुंभ से आई हूं।युवक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जानकारी लगते ही पुलिस की टीम उससे मिलने के लिए जा पहुंची। जैसे ही महिला ने अपनी पहचान बताई तो पुलिस भी हैरान रह गई। जानकारी के अनुसार महाकुंभ मेला में हुई भगदड़ की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया. इस भगदड़ में कई लोगों ने अपनों को खोया, तो कई एक-दूसरे से बिछड़ गए।कई लोग अब भी अपनों की तलाश में इधर, उधर भटक रहे हैं। इसी बीच पुलिस गुमशुदा लोगों के लिए भगवान बनकर सामने आई। मध्यप्रदेश और बिहार की दो महिला महाकुंभ में अपने परिवार के साथ स्नान करने गयी थीं। लेकिन भगदड़ के दौरान वो फिर बिछड़ गई। और अपने परिजनों के तलाश में भटकते - भटकते दोनों महिला श्रद्धालु जौनपुर के शाहगंज कस्बे में आ पहुंची. महिला श्रद्धालुओं के मदद के लिए योगी की पुलिस सामने आकर मददगार बनकर मध्यप्रदेश की रहने वाली महिला को उसके अपनों से मिलवाया।और दूसरी बिहार की रहने वाली महिला के परिजनों पुलिस ने जानकारी दे दी है। बिछड़ी महिला के परिजनों ने शाहगंज पुलिस को धन्यवाद दिया। कुंभ मेले में मौनी अमावस्या के दिन परिवार के संग स्नान करने पहुंची अलग-अलग प्रदेश के रहने वाली दो श्रद्धालु महिला ललिता देवी निवासी शाहगढ़ सागर मध्य प्रदेश और दूसरी त्रिदेवा देवी बक्सर बिहार की रहने वाली महिला श्रद्धालु भगदड़ के दौरान अपने परिवार से बिछड़ गई थीं। मेले में भगदड़ के दौरान परिवार से बिछड़कर भटकते-भटकते जौनपुर के शाहगंज कस्बे में पहुंची।स्थानीय लोगों ने उसे कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया।पुलिस ने ललीता देवी को मध्य प्रदेश पुलिस की मदद से उसके स्वजनों को बुलाकर सौंप दिया। वहीं बिहार की रहने वाली त्रिदेवा देवी के परिजनों को पुलिस ने सूचना दे दी है।

बजट में व्यक्तिगत आयकर स्लैब को तर्कसंगत बनाया गया है : साक्षी गुप्ता

पटना(उत्तरशक्ति)।मध्यम वर्ग की ओर से मांग में कमी की चिंताओं को संबोधित करते हुए, बजट में व्यक्तिगत आयकर स्लैब को तर्कसंगत बनाया गया है, साथ ही स्रोत पर कर कटौती की सीमा में संशोधन किया गया है। इससे मध्यम वर्ग द्वारा उपभोक्ता मांग और बचत को बढ़ावा मिलने की संभावना है, जिसने उच्च मुद्रास्फीति और कम आय वृद्धि से चुनौतियों का सामना किया है। आम आदमी के लिए रियायतों से परे, बजट ₹लाईट टच₹ नियामक दृष्टिकोण के माध्यम से व्यापार करने में आसानी को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है। अगले पांच साल की राजकोषीय रणनीति कृषि, एमएसएमई, निर्यात को बढ़ावा देने और भारत की क्षमता निर्माण में निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में तैयार की गई है। वित्त मंत्री की राजकोषीय रणनीति खपत को बढ़ावा देने की ओर झुकी हुई है, जबकि पूंजीगत व्यय लक्ष्य को 2024-25 की बजट योजनाओं से मोटे तौर पर अपरिवर्तित रखा गया है। बजट द्वारा प्रदान किया गया 'काउंटर साइक्लिकल पुश' राजकोषीय समेकन की अपनी व्यापक रणनीति के भीतर है, जो 2025-26 में 4.4 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे को लक्षित करता है। आयकर में बदलाव के कारण राजस्व में कमी के बावजूद, 2025-26 में व्यय पक्ष पर दबाव के माध्यम से राजकोषीय समेकन प्राप्त किया गया है। आज की बजट घोषणा 2025-26 में जीडीपी वृद्धि के 6.6 प्रतिशत की हमारी उम्मीद को पुख्ता करती है। बॉन्ड मार्केट के लिए कोई बड़ा आश्चर्य नहीं है क्योंकि बाजार उधारी मोटे तौर पर उम्मीदों के अनुरूप है। आगामी दरों में कटौती और आरबीआई द्वारा खुले बाजार में खरीद के साथ बॉन्ड यील्ड में गिरावट की उम्मीद है।

जगदीश तिवारी के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व स्थिति साईं नाग अपार्टमेंट मोरेगांव के निवासी जगदीश माता शरण तिवारी का जन्मदिन 1 फरवरी 2025 दिन शनिवार को जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया। जगदीश तिवारी सरल व्यक्तित्व विचार धारा वाले कुशल नेतृत्व वाले एक सरल सौम्या मृदु भाषी , विनम्र , ऊजार्वान व्यक्ति है। जगदीश तिवारी का पैतृक गांव जनपद जौनपुर विकास खंड मुंगराबादशाहपुर, पोस्ट पवारा बाजार, गांव चेतरिया (बनकट) के मूल निवासी हैं। बता दें कि जगदीश माता शरण तिवारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के सहयोगी है। पुर्वांचल में एक विशिष्ठ स्थान रखते हैं। जगदीश तिवारी के जन्मदिवस पर पत्नी

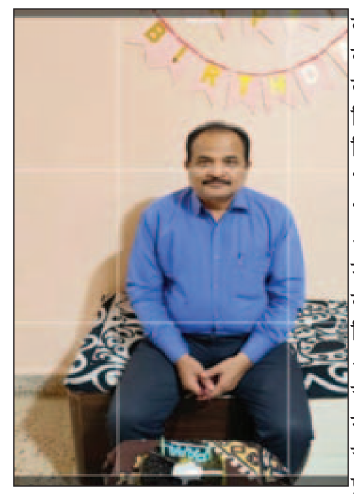

श्रीमती ऊषा जगदीश तिवारी, पुत्र योगेश तिवारी, पुत्र वधू श्रीमती रुपल तिवारी, पुत्र अभिषेक तिवारी, नाती अश्विक तिवारी ने पिता व दादाजी को दिघार्यु होने की कामना करते हुए जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी , भाई राजेन्द्र तिवारी, राकेश तिवारी, दिनेश तिवारी, रमेश तिवारी, संजय तिवारी, मुन्ना भाई तिवारी, रमाजीत तिवारी (भूअर) , भतीजा राजेश तिवारी अफसर, अम्बूज तिवारी, मनोज, अरुण सभाजीत तिवारी, बहन लिलावती मिश्रा, वकील तिवारी, अखिलेश, प्रोफेसर आशिष दुबे (विनय) , फूल चंद मिश्रा, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, संपादक ओमप्रकाश प्रजापति , पत्रकार राजकुमार अग्रहरि , पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू, पत्रकार अवधेश मिश्रा रिक्की, पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

अमेठी में बुजुर्ग सम्मान समारोह, अनोखे पहल की सराहना

अमेठी। अमेठी भेटुवा ब्लॉक के पूरे हरिराम तिवारी का पुरवा हारीपुर गांव में स्व. पंडित श्रीभगवान तिवारी स्मृति में 'बुजुर्ग सम्मान समारोह 'का आयोजन किया गया. आयोजक डॉ. रमाकांत क्षितिज ने बताया कि इस सम्मान समारोह में बुजुर्गो का जहाँ सम्मान किया गया वहीं समाज में बुजुर्गो की मौजूदा हालात पर चर्चा भी की गई. जिसमें शिक्षाविद डॉ. अरविन्द चतुवेर्दी, डॉ. अमरनाथ तिवारी, श्रीराम तिवारी, जगदीश पाण्डेय. जगत सिंह, राममिलन शर्मा, मुंशी रजा, स्वामी नाई, मेवा विमल, राजकमल सिंह, वंशराज पाल के साथ कई लोगों ने अपने अपने विचार रखे . इस अवसर पर बोलते हुये डॉ. रमाकांत क्षितिज ने कहा कि बुजुर्ग समाज की जीडीपी हैं. इनकी उचित देखभाल होनी ही चाहिये. सभी वक्ताओ ने कहीं कहीं हो रही बुजुर्गो की उपेक्षा पर दुःख भी व्यक्त किया. इस सम्मान समारोह में सैकड़ो बुजुर्गो ने भाग लिया. उल्लेखनीय है कि डॉ. रमाकांत क्षितिज इस तरह का आयोजन प्रति वर्ष अपने गांव में आयोजित करते रहते हैं. इस आयोजन में शशिकांत तिवारी की विशेष भूमिका रही. इस अवसर पर अति बुजुर्गो के लिये जो कुम्भ मेला नही जा सकते उनके लिये प्रतिकात्मक कुम्भ की झांकी भी बनाई गई. जिसे लेकर बुजुर्गो में भी उत्सुकता दिखाई दी. सभी ने त्रिवेणी संगम का दर्शन किया तत्पश्चात लेटे हनुमान जी की प्रतिकीर्ति हनुमान जी की तस्वीर का दर्शन लाभ लिया. अंत में सभी बुजुर्गो को महाप्रसाद भोज करने का भी अवसर मिला. इस सुन्दर अनोखे आयोजन की चर्चा आसपास परिसर में खूब हो रही है.

जंगल में रहस्यमयी हालत में मिला बाघ का शव

बहराइच(उत्तरशक्ति)। जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में शनिवार को गस्ती पर निकली वन विभाग की टीम को एक बाघ का शव पड़ा मिला। शव देख वन विभाग में हड़कंप मच गया। वन टीम ने उच्चाधिकारियों को सूचना देते हुए बाघ के शव को रेंज कार्यालय पहुंचाया।

जहां एनसीटीए के गाइडलाइन के अनुसार शव का पोस्टमार्टम किया गया। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के कतर्नियाघाट वन रेंज के सदर बीट में शनिवार की सुबह वन विभाग की गस्त कर रही थी। इस दौरान एक नर बाघ का शव पड़ा मिला।

शव देख वन टीम ने तत्काल इसकी सूचना डीएफओ बी. शिवशंकर व उच्चाधिकारियों को दी। सूचना पर डीएफओ बी. शिवशंकर व दुधवा नेशनल पार्क के फील्ड डायरेक्टर एच राजा मोहन मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। जांच के बाद तीन पशु चिकित्सकों डॉ. दीपक, डॉ. दयाशंकर व डॉ. विपिन चन्द्र की टीम ने शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम में बाघ की उम्र लगभग 12 वर्ष बताई जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव वन रेंज कार्यालय परिसर में जलाकर नष्ट कर दिया गया।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में लगातार वन्यजीवों की हो रही मौत को अब वन विभाग के अफसर छिपाने में भी जुट गए हैं। शनिवार को 12 वर्ष के नर बाघ की मौत को भी छिपाने का प्रयास किया गया।

जहां एक ओर मीडिया कर्मियों को रेंज कार्यालय में जाने से रोका गया तो वहीं दूसरी और अधिकारियों ने फोन भी नहीं उठाए।

बाघों के विचरण के मामले में उत्तर प्रदेश का दूसरा सबसे अधिक बाघों वाला वन अभ्यारण्य कतर्नियाघाट लगातार वन्यजीवों की मौत का गवाह बन रहा है। खास कर वर्तमान डीएफओ बी. शिवशंकर का कार्यकाल बाघ व तेंदुओं को रास आता नहीं दिख रहा है।

लगातार जारी तेंदुए व बाघ की मौतों से जहां एक ओर वन्यजीव प्रेमियों में निराशा है तो वहीं वन्यजीव प्रेमी डीएफओ बी. शिवशंकर के प्रशासन पर भी सवालिया निशान खड़े करने लगे हैं।

आंकडों पर अगर गौर करें तो बीते तीन सालों में कतर्नियाघाट में छह बाघों की मौत हुई। लेकिन वर्तमान डीएफओ बी. शिवशंकर के 7 जनवरी 2024 से अब तक कायार्काल में ही तीन बाघों की मौत हो चुकी है। यही नहीं पांच तेंदुए भी मर चुके हैं।

ओला ने एस1 जेन 3 पोर्टफोलियो को लॉन्च किया

पूर्णिया (उत्तरशक्ति)। ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1 जेन 3 पोर्टफोलियो का लॉन्च करके इलेक्ट्रिक वाहन की टेक्नोलॉजी को नैक्स्ट लेवल में पहुँचा दिया है। ये इलेक्ट्रिक स्कूटर एडवांस्ड जेन 3 प्लेटफॉर्म पर बने हैं। इस नए पोर्टफोलियो में एस1 एक्स (2 केडव्लूएच) का मूल्य 79,999 रुपये से शुरू होता है। पोर्टफोलियो का सबसे महंगा स्कूटर एस1 प्रो प्लस 5.3 (केडव्लूएच) 1,69,999 रुपये (इंट्रोडक्टरी मूल्य) में मिलेगा। जेन 3 पोर्टफोलियो में सबसे ज्यादा चर्चा में फ्लैगशिप एस1 प्रो प्लस 5.3 केडव्लूएच (4680 भारत सैल के साथ) और 4 केडव्लूएच हैं, जिनके मूल्य क्रमशः 1,69,999 रुपये और 1,54,999 रुपये हैं। एस1 प्रो 4 केडव्लूएच और 3 केडव्लूएच बैटरी विकल्पों में क्रमशः 1,34,999 और 1,14,999 रुपये में उपलब्ध है। एस1 एक्स रेंज का मूल्य 2 केडव्लूएच के लिए 79,999 रुपये, 3 केडव्लूएच के लिए 89,999 रुपये और 4 केडव्लूएच के लिए 99,999 रुपये है। 4 केडव्लूएच बैटरी के साथ एस1 एक्स प्लस का मूल्य 1,07,999 रुपये है। लेटेस्ट जेन 3 एस1 स्कूटर्स के अलावा कंपनी के जेन 2 स्कूटर 35,000 रुपये तक के डिस्काउंट के साथ बिकते रहेंगे, जिनके मूल्य क्रमशः 1,14,999 रुपये, 69,999 रुपये, 79,999 रुपये और 89,999 रुपये हैं। ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, भाविश अग्रवाल ने कहा, हमारे पहले जनरेशन के स्कूटर्स के साथ हमने ग्राहकों को एक एस्पायरेशनल इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश किया था, जिसने देश में एक इलेक्ट्रिक स्कूटरों की एक मुहिम छेड़ दी। दूसरी जनरेशन के स्कूटरों को हमने ज्यादा स्मार्ट बनाया और अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया, जिसके साथ हर भारतीय को अलग-अलग मूल्य वर्ग में स्कूटर मिल सके।

IGRS पोर्टल पर फर्जी निस्तारण का खेल: जनता बेहाल, अफसर वाहवाही लूट मालामाल!

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। एक तरफ जहां प्रदेश व जिले के आला अधिकारी आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण व संतोषजनक निस्तारण करने का बार-बार आदेश देते रहते हैं तो वही सरकारी शिकायत को निस्तारण करने वाले संबंधित अधिकारी आदेश को ठेंगा दिखा रहे है । जनपद के सगड़ी तहसील में IGRS पोर्टल को 'समाधान एक्सप्रेस' के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, लेकिन असल में यह 'लूट एक्सप्रेस' बन चुका है, बात हो रही है अजमतगढ़ ब्लॉक के बेरमा गांव की, जहां जितेंद्र यादव ने अपनी पुत्री अदिति का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए एक लंबी सरकारी दौड़ शुरू की। SDM से आदेश प्राप्त कर आवेदन अजमतगढ़ विकास खण्ड पर तैनात एडीओ पंचायत अजमतगढ़ को सौंपा गया। एडीओ ने अपने दस्तखत कर दिए और आवेदन अपने पास रख लिया लेकिन, असली खेल तब शुरू हुआ जब उनके मातहत सचिव प्रदीप उपाध्याय और सहयोगी सुदामा प्रसाद ने रिपोर्ट लगाने के लिए पैसे की माँग शुरू कर दी। बिना घूस के कोई फाइल नहीं चलती

यह सरकारी कार्यालयों का अनकहा नियम बन चुका है। जब जितेंद्र यादव ने पैसे देने से मना कर दिया, तो उन्हें महीनों तक चक्कर लगवाया गया। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत करने पर भी कोई सुनवाई नहीं हुई जबकि फर्जी व मनगढ़न्त रिपोर्ट लगा कर मामले का निस्तारण कर दिया गया। जनसुनवाई पर शिकायत की निस्तारण करने की है अफसरों की विशेष कला

जब थक-हारकर जितेंद्र यादव ने जनसुनवाई पोर्टल पर तीन बार शिकायत दर्ज कराई जिसका क्रमांक क्रमशः 40019124042157, 40019124043719, 40019124045589 है लेकिन हर बार शिकायत को फर्जी रिपोर्ट लगाकर शिकायत का निस्तारित कर दिया गया।

मजेदार बात यह है कि सगड़ी तहसील को IGRS पोर्टल पर मामलों के निस्तारण में प्रथम स्थान मिला हुआ है यानी आंकड़ों में यह तहसील सबसे तेज और सबसे प्रभावी तरीके से समस्याओं का समाधान कर रही है! लेकिन असलियत यह है कि समाधान से ज्यादा ध्यान निपटाने पर दिया जा रहा है—वह भी बिना किसी ठोस कार्यवाही के। बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार भी इस खेल से अनजान है या जानबूझकर आंखें मूंदे हुए है?

योगी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति का दावा करती है, लेकिन सगड़ी तहसील में हो रही यह लूट इस दावे को ठेंगा दिखा रही है। जब अफसरों को मालूम है कि किसी भी शिकायत को कागजों में सही बताकर आसानी से बंद किया जा सकता है, तो फिर आम जनता की समस्याओं का निस्तारण क्यों होगा?

इस खेल का असली फायदा किसे मिल रहा है?

सिस्टम को चूना लगाने वाले अफसरों को, पैसा वसूलने वाले बाबू और सचिव को और सरकारी आंकड़ों में टॉप रैंकिंग पाने वाले अधिकारियों को और नुकसान किसका हो रहा है? आम जनता का, जो न्याय के लिए दर-दर भटक रही है।

फर्जी निस्तारण के खेल पर कब लगेगी लगाम?

सरकारी रिकॉर्ड में जितेंद्र यादव की शिकायत तीन बार 'सफलतापूर्वक' निपटाई जा चुकी है। लेकिन क्या वास्तव में समस्या हल हुई ही नहीं! अगर अफसर अपनी वाहवाही के चक्कर में झूठी रिपोर्ट लगाते रहेंगे, तो जनता न्याय के लिए कहां जाएगी? सरकार को चाहिए कि क्कक्कर पर दर्ज की गई शिकायतों का ऑडिट हो, हर मामले की वास्तविक जांच हो और दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। वरना यह सिस्टम सिर्फ एक 'डिजिटल भ्रष्टाचार पोर्टल' बनकर रह जाएगा, जहां जनता अपनी शिकायतें दर्ज कराएगी और अधिकारी फर्जी निस्तारण कर अपनी पीठ थपथपाते रहेंगे। क्या यही है 'नया उत्तर प्रदेश'? या फिर यह सिर्फ एक नया तरीका है जनता को बेवकूफ बनाने का?

अमेजन एमएक्स प्लेअर के स्ट्रीमनेक्स्ट इवेंट में भारत में मुफ़्त मनोरंजन के भविष्य की रूपरेखा पेश की गई

मुंबई। अमेजन एमएक्स प्लेअर के स्ट्रीमनेक्स्ट इवेंट के पहले संस्करण में वैश्विक मार्केटिंग लीडर, सर मार्टिन सोरेल, बेनेडिक्ट इवांस और प्रमुख मनोरंजन उद्योग की हस्तियों ने भाग लिया। यह स्टार-स्टडेड इवेंट भारत में कंटेंट की खपत के बदलते परिप्रेक्ष्य को प्रदर्शित करने के साथ यह दिखाता है कि कैसे अमेजन एमएक्स प्लेअर विज्ञापनदाताओं के लिए मजबूत और अविस्मरणीय ब्रांड बनाने में एक परिवर्तनकारी साझेदार बन रहा है। बॉबी देओल (आश्रम 3), सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ (हंटर 2), रेमो डिसूजा और मलाइका अरोड़ा (हिप हॉप इंडिया 2), अशनीर ग्रोवर (राइज एंड फॉल) जैसी प्रमुख हस्तियों की शानदार उपस्थिति के बीच, अमेजन एमएक्स प्लेअर ने 2025 के लिए अपनी 100 से अधिक नई शोज की सूची पेश की।

अमेजन एड्स इंडिया के प्रमुख गिरीश प्रभु ने कहा, आज की बैठक का उद्देश्य अमेजन एमएक्स प्लेअर की विशाल पहुंच को एक साथ लाना है, जो विज्ञापन तकनीक के साथ अमेजॅन के खरबों ग्राहक को एक साथ लेकर आती है। यह सभी ब्रांडों को सक्षम बनाने के बारे में है, न कि सिर्फ उन ब्रांडों को जो अें९ङ्खल्ल.ल्ल पर बिकते हैं, ताकि वे भारत में 250 मिलियन से अधिक विशिष्ट उपयोगकताओं तक पहुंच सकें और प्रासंगिक विज्ञापन दे सकें। यह सीधे परिणाम मापने के बारे में है, जो किसी उत्पाद या ब्रांड के बारे में प्रारंभिक जागरूकता से लेकर अंतिम खरीद निर्णय तक होता है। फुल फनल विज्ञापन अब यहाँ पर है। हिट ओरिजिनल, रियलिटी शो और एमएक्स शी२ (विदेसी) कंटेंट के साथ जिसमें के-ड्रामा, मंदारिन, तुर्की शो और अन्य बहुत कुछ शामिल है, अमेजन एमएक्स प्लेयर भारत के सबसे बड़े मनोरंजन स्थलों में से एक है। अमेजन एमएक्स प्लेयर के प्रमुख करण बेदी ने कहा, भारत में कोई अन्य स्ट्रीमिंग सेवा नहीं है जो मुफ्त में इतने बड़े पैमाने पर कंटेंट उपलब्ध कराती हो।

राजभवन प्रागंण लखनऊ में 07 से 09 फरवरी तक आयोजित होगी फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी डॉ सीमा सिंह राणा द्वारा अवगत कराया गया कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी राजभवन प्रांगण,लखनऊ में 07 से 09 फरवरी 2025 को प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जनपद के इच्छुक कृषक अपने फल, शाकभाजी एवं पुष्प के उत्कृष्ट कोटि के नमूनों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित करने हेतु बेवसाइट https://upflower-showlko.com/ पर पंजीकरण कराकर आनलाइन शुल्क रू0 5 प्रति प्रर्दश जमा करने के पश्चात प्रविष्टि कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा बताया गया कि पुरस्कार हेतु प्रदर्शनी का निरीक्षण 06 फरवरी 2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे किया जायेगा।कृषकों को 06 फरवरी 2025 को सुबह तक

प्रविष्टियां निर्दिष्ट स्थान पर लगानी होंगी। प्रतियोगिता में व्यक्तिगत वर्ग में विशेष पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार रू0 51000 (रूपया इक्यावन हजार) द्वितीय पुरस्कार रू0 31000 (रूपया इक्तीस हजार) तृतीय पुरस्कार रू0 11000 (रूपया ग्यारह हजार) एंव सभी वर्ग में सर्वोत्तम पुरस्कार 11000 (रूपया ग्यारह हजार) देय होगा। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनी हेतु दिशा-निर्देश एवं श्रेणी आदि से सम्बन्धित सहायता के लिए किसी भी कार्यदिवस में जिला उद्यान अधिकारी, जौनपुर कार्यालय अथवा प्रदर्शनी प्रभारी सत्यभान सिंह मोबाइल नम्बर 7007284234 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जमीन के विवाद में फायरिंग, पेट में गोली लगने से युवक की मौत

सहारनपुर(उत्तरशक्ति)। देवबंद की गांधी कॉलोनी में विवादित जमीन की नपाई के दौरान तहसील की राजस्व टीम के सामने ही दो पक्षों में पथराव और फायरिंग हो गई। इसमें गोली लगने से शारिक (18) की मौत हो गई। जबकि एक महिला समेत छह लोग घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। गांधी कॉलोनी में यामीन और सलीम पक्ष के बीच प्लॉट को लेकर विवाद चल रहा है। शुक्रवार शाम सिविल कोर्ट से न्यायालय अमीन टीम के साथ नपाई करने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते मारपीट, पथराव और फायरिंग होने लगी। आसपास के लोगों में भगदड़ मच गई। न्यायालय अमीन और उनकी टीम ने वहां से भागकर अपनी जान बचाई। संघर्ष में सलीम के बेटे शाकिर के पेट में गोली लग गई। जबकि यामीन (65), सलीम (58), मोहल्ला लहसवाड़ा निवासी सलमान (20), नईम (25) और फिरोज (28) समेत छह लोग घायल हो गए। संघर्ष की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने शाकिर को जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सुरक्षा की दृष्टि से कॉलोनी में पुलिस बल तैनात किया गया है। प्लॉट को लेकर विवाद चल रहा है। पूर्व में दोनों पक्षों के लोगों को मुचलकों में पाबंद किया गया था।

आईआईएमटी यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में मृत मिला बीटेक का छात्र

मेरठ (उत्तरशक्ति)। मेरठ के आईआईएमटी यूनिवर्सिटी गंगानगर के हॉस्टल में रह रहे बीटेक के छात्र निखिल यादव का शव उसके कमरे में रूममेट ने देखा। वह उसे हॉस्पिटल लेकर गया, वहां डॉक्टरों ने बताया कि मौत हुए करीब चार घंटे हो चुके हैं। डॉक्टर हर्ट अटैक से मौत होना बता रहे हैं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार निखिल यादव(17) जिला देवरिया के गांव नारायणपुर औराई थाना रुद्रपुर का रहने वाला था। वह आईआईएमटी यूनिवर्सिटी में बीटेक सीएस प्रथम वर्ष का छात्र था। युनिवर्सिटी के हॉस्टल में रह था। सुबह करीब पांच बजे रूममेट ने उसके जगाया तो देखा निखिल के शरीर में कोई हलचल नहीं थी। वह अन्य छात्रों के साथ मिलकर उसे हॉस्पिटल लेकर गया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया और बताया कि मौत हुए करीब चार घंटे हो चुके हैं। निखिल की नाक और मुंह से खून निकल रहा था। डॉक्टरों ने मौत का करना हर्ट अटैक बताया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया। परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिवार में निखिल तीन बहनों का इकलौता भाई था।

यूपीएससी की तैयारी कर रही छात्रा ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

सरायमीर। संजरपुर हॉट के समीप शुक्रवार की दोपहर यूपीएससी की तैयारी कर रही छात्रा ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बिलारी गांव की निवासी थी। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। जानकारी के मुताबिक, कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बिलारी गांव निवासी चंद्रकला यादव (22) पुत्री हरिशंकर यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। वह तीन वर्षों से दिल्ली में रहकर अपनी तैयारी कर रही थी। वह तीन माह पूर्व डिप्रेशन से ग्रसित हुई तो परिजन उसे घर बुला लिया। शुक्रवार की दोपहर वह अपनी स्कूटी लेकर घर से निकल गई। वह चलते-चलते सरायमीर थाना क्षेत्र के संजरपुर गांव के समीप स्थित हाल्ट पर पहुंची।

आम आदमी के सपनों को साकार करने वाला बजट: कृपाशंकर सिंह

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने केंद्रीय बजट 2025-26 की सराहना करते हुए इसे आम आदमी के सपनों को साकार करने वाला बजट बताया है। उन्होंने आयकर स्लैब में किए गए अभूतपूर्व सुधारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे लोगों की बचत में वृद्धि होगी। साथ ही, उन्होंने शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में की गई घोषणाओं को भी सकारात्मक बताया और बजट को देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। कृपाशंकर ने कहा कि नए बजट से युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा तथा किसानों को आत्मनिर्भरता मिलेगी। उन्होंने ऐतिहासिक बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त किया।

सड़क पर होनवाली अनेक दुर्घटना में लोगो की जान बाचाने के लिये स्वयं पंचशील सामाजिक संस्था निरंतर प्रयासरत

मीराभाईंदर (उत्तरशक्ति)। काशीमीरा पंचशील संस्था के संस्थापक परशुराम साळवे. इंहोने अपनी जान दाव पर लगाके लोगो की जान बचाने का प्रयास कर रहे हैं। गत 26 जनवरी 2025 से आमरण उपोषण पर बेठे हुए हैं उनका कहना है कि सडक परिवहन मंत्री नितीन गडकरी ने मीरा भाईंदर मे 22 सितंबर 2016, मे मुंबई अहमदाबाद राज्यमार्ग 8 पर पांडुरंग वाडी महाजन वाडी के लिये vup Subway स्वयं उनके हस्ते पास हुआ था। जबकि प्रशासन काम करने के लिए तट्ट पे खडी हे डीसीपी ने अनुमती दि है उसके बाद भीtraffic पीआई देविदास हांडोरे इंहोन जांमुच्कर देड साल से काम करने नही दिया। इसके चलते संस्थापक अपनी जान दाव पे लगाके 26 जनवरी2025 से आमरण उपोषण पे बेठे हुए हे .आज इनका 7 वा दिन है. इनको हजारों लोग का समर्थन मिल रहा है। इस विषय पर शासन प्रशासन को संज्ञान में लेना चाहिए।

भांडुप में आदर्श वरिष्ठ शिक्षक मयाशरण सिंह की सेवानिवृत्ति पर भव्य समारोह संपन्न

मुंबई। भांडुप स्टेशन रोड स्थित गीता हॉल में बृहन्मुंबई महानगरपालिका - शिक्षण विभाग द्वारा संचालित तुलशेतपाडा एम.पी.एस. हिंदी शाला के आदर्श वरिष्ठ शिक्षक मयाशरण सिंह का भव्य सेवानिवृत्ति समारोह पूर्व उपशिक्षणाधिकारी सी. के. सिंह की अध्यक्षता एवं माध्यमिक विभाग की उपशिक्षणाधिकारी आरती खैर के मार्गदर्शन में तुलशेतपाडा एम. पी.एस. हिंदी शाला परिवार और संकुल के सदस्यों की उपस्थिति में उनकी जीवन संगिनी अनिता सिंह एवं पिता एयरफोर्स से सेवानिवृत्त संकठाप्रसाद सिंह के भव्य सत्कार के साथ संपन्न हुआ। समारोह सरस्वती माँ की प्रतिमा के पूजन-वंदन और संगीत शिक्षक कोष्टे की संगीतमयी स्तुती से शुरू हुआ। तत्पश्चात गौरव मूर्ति का उनके एकलौते सुपुत्र मैनेजिंग डायरेक्टर विनीत कुमार सिंह 'कश्यप', पुत्र वधु एड. हर्षिता सिंह, सुपुत्री शिक्षिका सपना सिंह , प्रबंधक सुपुत्री शालिनी सिंह ने सत्कार किया।सैकड़ों शिक्षकों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुए इस समारोह में गौरवमूर्ति के पूर्व छात्रों ने तो चार चांद ही लगा दिया।

सोनकर समाज विकास मंच मुंबई का 21वां वार्षिक स्नेह सम्मेलन आयोजित

मुंबई। सोनकर समाज विकास मंच मुंबई का 21वां वार्षिक स्नेह सम्मेलन रविवार 26 जनवरी 2025 को शाम 5 से रात्री 10 बजे तक स्थान ब्राह्मण सेवा मन्डल, सभागृह, भवानी शंकर रोड, दादर (प) मुंबई में स्नेह सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन मंच के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष आर डी. सोनकर ने अपनी माता श्रीमती सुनहरीदेवी बंसराज सोनकर तथा मुख्य अतिथि डा. चन्दर कला सिंग प्ले ब्लैक सिंगर व अखिल भारतीय खटिक समाज नई दिल्ली के राष्ट्रीय संरक्षक विनोद गायवाड पुणे, शेखर धनंजय लाड मुंबई, अखिल भारतीय खटिक समाज मुंबई के अध्यक्ष गजेन्द्र घोडके, सुभाष सिरसागर पनवेल, विशाल कांबले कोल्हापुर, अनुप श्यामलाल खटिक मुंबई, अन्ध्रप्रदेश खटिक समाज के विजय गजबीनकर तथा सोनकर (खटिक) समाज विकास मंच मुंबई के पदाधिकारी उपाध्याय प्रताप मेवालाल सोनकर, उपाध्यक्षता श्रीमती रानुदेवी आर डी सोनकर, कोषाध्यक्ष, केदारनाथ बंसराज सोनकर, रामआधार बंसराज राज सोनकर,शंभु मिठ्ठू सोनकर सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सनातन धर्म रहेगा तो मानव धर्म रहेगा, मानवता रहेगी : सीएम योगी

कहा, सनातन विरोधी प्रयास कर रहे थे कि संतों का धैर्य जवाब दे जाएं

-सुरेश गांधी

महाकुंभनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को वसंत पंचमी अमृत स्नान से पहले संगम नोज और गंगा के घाटों का निरीक्षण व तैयारियों का जायजा लिया. इस दौरान देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ संगम में डुबकी लगाने के बाद गंगा पूजन और आरती भी की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सेक्टर पांच स्थित भारत सेवाश्रम संघ के शिविर का दौरा किया और संगठन की मानवीय सेवा का अवलोकन किया. साधु संतों ने महाकुम्भ में उनके द्वारा किए जा रहे सामुदायिक और सेवा के कार्यों की जानकारी भी सीएम से साझा की। भारत सेवाश्रम के योगदान की सराहना करते हुए, सीएम योगी ने समाज के लिए निस्वार्थ सेवा की इसकी सदियों पुरानी परंपरा पर प्रकाश डाला.

योगी ने अपने गुरु स्वामी अवैद्यनाथ को याद करते हुए कहा, उन्होंने भारत सेवाश्रम के संत स्वामी असीमानंद के साथ समाज सेवा में महत्वपूर्ण समय बिताया था. मुख्यमंत्री ने संतो से ममुलाकात के दौरान कहा कि सनातन धर्म ही मानव धर्म है. सनातन धर्म रहेगा तो मानव धर्म रहेगा, मानवता रहेगी. सीएम ने कहा कि भारत सेवाश्रम सौ से अधिक वर्षों से निस्वार्थ भाव से समाज में सेवा का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ में सनातन को आगे ले जाने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील विभिन्न सम्प्रदायों के साधु संतों के साथ सामुदायिक और गरीबों की सेवा में लगे धार्मिक और आध्यात्मिक संगठनों से भी मुलाकात की। आयोजन की अगुवाई कर रहे भारत सेवाश्रम के स्वामी आत्मजानंद का कहना है कि मुख्य मंत्री ने शिविर में भारत सेवाश्रम के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद जी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और उनकी आरती भी की। इस अवसर पर सीएम ने वहां मौजूद साधु संतों से बातचीत भी।

दुनिया के 73 देशों के राजनयिकों

से सीएम योगी ने किया संवाद

अमेरिका, रूस, यूक्रेन, बांग्लादेश समेत 73 देशों के राजनयिक पहुंचे प्रयागराज, संगम में लगाई डुबकी

महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व के 73 देशों के सौ से अधिक राजनयिकों संग शनिवार को संवाद किया। महाकुम्भ नगर स्थित पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने विदेशी राजनयिकों को महाकुम्भ और प्रयागराज के महात्म्य से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि भारत के अधिकांश तीर्थ गंगा तट पर ही स्थित है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्पिरिचुअल टूरिज्म में असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने राजनायिकों का प्रयागराज में स्वागत करते हुए कहा कि उन सभी की ये यात्रा निश्चित रूप से स्मरणीय साबित होगी। जब वो यहां से लौटेंगे तो स्वयं के साथ यादगार अनुभव लेकर जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया महाकुम्भ को कौतूहल की दृष्टि से देख रही है। आप सभी का यहां आना हमे प्रफुल्लित करता है। महाकुम्भ का ये पर्व हम सभी को आनंदित करता है। मां गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगमस्थली पर बसा प्रयागराज दुनिया की प्राचीन नगरी है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिबिंब है। अबतक देश और-दुनिया से करीब 35 करोड़ लोग यहां आकर संगम स्नान कर चुके हैं। 26 फरवरी तक 45 करोड़ लोगों के आने की संभावना है। इस अवसर पर विदेशी राजनयिकों ने भी अपने अनुभवों को सीएम योगी के सामने साझा किया। भारत की प्राचीन परंपरा और संस्कृति का साक्षात्कार करने 73 देशों राजनयिक प्रयागराज के महाकुम्भ में सम्मिलित हुए। आस्था और आध्यात्म के सबसे बड़े समागम महाकुम्भ में राजनयिकों का सबसे पहले अरैल क्षेत्र स्थित त्रिवेणी संकुल में यूपी सरकार की ओर से स्वागत और अभिनन्दन किया गया। वहां से सभी राजनयिकों को जेटी बोट के जरिए पवित्र त्रिवेणी संगम का दर्शन करवाया गया। उन्हें देश की सनातन संस्कृति और उसमें पवित्र संगम व महाकुम्भ की महत्ता के बारे में बताया गया। कुछ देश के राजनयिकों ने संगम में पवित्र स्नान और गंगा जल का आचमन भी किया। इसे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया। संगम स्नान के बाद सभी राजनयिकों ने यूपी टूरिज्म की लक्जरी बसों से महाकुम्भ मेले का भ्रमण करते हुए अक्षयवट कॉरीडोर और बड़े हनुमान मंदिर का दर्शन किया। अक्षयवट कॉरीडोर में राजनयिकों कों सरस्वती कूप का भी दर्शन करवाया गया। भारतीय संस्कृति में नदियों, वृक्षों की पूजन परंपरा और उनके आध्यात्मिक महत्व को जान कर कई देशों के राजनयिक विशेष रूप से प्रभावित हुए। हनुमान मंदिर का दर्शन कर राजनयिकों का काफिला मेला क्षेत्र में बने पुलिस लाइन के सभागार पहुंचा। सभागार में राजनयिकों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा तथा प्रयागराज से विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह सहित अन्य गणमान्य भी मौजूद थे। महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में भर्ती घायलों को देखने पहुंचे। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से उनका हाल चाल लिया और इलाज के विषय में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने डॉक्टर्स से भी घायलों की विस्तृत रिपोर्ट ली और सभी को समुचित इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। घायलों से व्यक्तिगत बातचीत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार को सभी श्रद्धालुओं की चिंता है। उनके इलाज और अन्य व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने एक महिला श्रद्धालु से कहा कि घबराना मत सब ठीक हो जाएगा। मालूम हो कि मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के दौरान संगम नोज पर घटी घटना में घायल हुए श्रद्धालुओं को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले मुख्यमंत्री के निर्देश पर गुरुवार को चीफ सेक्रेट्री और डीजीपी ने भी अस्पताल पहुंचकर घायलों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया था।

सतीश मौर्य का लोक सेवा आयोग में चयन, बने ब्लॉक एग्रीकल्चर ऑफिसर

सुइथाकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के छात्र रहे करौदीकला विकासखंड क्षेत्र के मेवपुर बरचौली गांव निवासी सतीश मौर्य का लोक सेवा आयोग बिहार में ब्लॉक एग्रीकल्चर ऑफिसर के पद पर चयन हुआ है। इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। सतीश ने 176 वीं रैंक हासिल करके यह सफलता प्राप्त की है। उन्होंने 2017 में इंटरमीडिएट इंटर कॉलेज समोधपुर, 2022 में बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से बीएससी तथा 2024 में डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा समस्तीपुर बिहार से एमएससी की है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय मुख्य रूप से चाचा संतलाल मौर्य, पूर्व प्रधानाचार्य एवं स्काउट गाइड के जिला मुख्य आयुक्त डॉ. रणजीत सिंह व शिक्षको संतोष कुमार, धर्मदेव शर्मा, राकेश सिंह, विष्णु तिवारी आदि को दिया है। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य आईएएस बनने का है। उन्होंने सफलता का रहस्य बताते हुए कहा कि पाठ्यक्रम से हटकर प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में अध्ययन करना चाहिए। कठिन परिश्रम, घर की परिस्थितियों और माता-पिता के संघर्ष को देखकर हम अपने आप को मोटिवेट कर सकते हैं। लक्ष्य के प्रति पूर्ण रूप से समर्पण और कठिन परिश्रम ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। इस उपलब्धि पर सुल्तानपुर के मशहूर सर्जन डा. एके सिंह व उनकी पत्नी सुमन सिंह ने शुभकामनाएं दी हैं। गांधी स्मारक विद्यालय संकुल के प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंह रानू, प्रधानाचार्य डॉ. अजेय प्रताप सिंह ,संतोष कुमार सिंह, विनय त्रिपाठी, अरुण मौर्य, डॉ. शोभनाथ मौर्य, प्रेमनाथ सिंह चंदेल, कृष्ण मोहन श्रीवास्तव, समाजसेवी संजय सिंह सहित शिक्षकों एवं स्थानीय लोगों ने बधाई दी है।

महाकुंभ में बिछड़ी दो महिलाएं, पहुँची शाहगंज,पुलिस ने महिला को परिवार से मिलाया

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार को नगर के आसपास के गाँव मे एक महिला पुराने कपड़ों में गांव-गांव भटक रही थी।अचानक किसी युवक ने उससे पूछा कौन हो। महिला ने कहा कि मैं महाकुंभ से आई हूं।युवक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जानकारी लगते ही पुलिस की टीम उससे मिलने के लिए जा पहुंची। जैसे ही महिला ने अपनी पहचान बताई तो पुलिस भी हैरान रह गई। जानकारी के अनुसार महाकुंभ मेला में हुई भगदड़ की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया. इस भगदड़ में कई लोगों ने अपनों को खोया, तो कई एक-दूसरे से बिछड़ गए।कई लोग अब भी अपनों की तलाश में इधर, उधर भटक रहे हैं। इसी बीच पुलिस गुमशुदा लोगों के लिए भगवान बनकर सामने आई। मध्यप्रदेश और बिहार की दो महिला महाकुंभ में अपने परिवार के साथ स्नान करने गयी थीं। लेकिन भगदड़ के दौरान वो फिर बिछड़ गई। और अपने परिजनों के तलाश में भटकते -भटकते दोनों महिला श्रद्धालु जौनपुर के शाहगंज कस्बे में आ पहुंची. महिला श्रद्धालुओं के मदद के लिए योगी की पुलिस सामने आकर मददगार बनकर मध्यप्रदेश की रहने वाली महिला को उसके अपनों से मिलवाया। दूसरी बिहार की रहने वाली महिला के परिजनों पुलिस ने जानकारी दे दी है। बिछड़ी महिला के परिजनों ने शाहगंज पुलिस को धन्यवाद दिया। कुंभ मेले में मौनी अमावस्या के दिन परिवार के संग स्नान करने पहुंची अलग-अलग प्रदेश के रहने वाली दो श्रद्धालु महिला ललिता देवी निवासी शाहगढ़ सागर मध्य प्रदेश और दूसरी त्रिदेवा देवी बक्सर बिहार की रहने वाली महिला श्रद्धालु भगदड़ के दौरान अपने परिवार से बिछड़ गई थीं। मेले में भगदड़ के दौरान परिवार से बिछड़कर भटकते-भटकते जौनपुर के शाहगंज कस्बे में पहुंची।स्थानीय लोगों ने उसे कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया।पुलिस ने ललीता देवी को मध्य प्रदेश पुलिस की मदद से उसके स्वजनों को बुलाकर सौंप दिया। वहीं बिहार की रहने वाली त्रिदेवा देवी के परिजनों को पुलिस ने सूचना दे दी है।

बसंत पंचमी पर सुनिश्चित कराएं जीरो एरर व्यवस्था : योगी

महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमृत स्नान पर्व ह्यबसंत पंचमीह्न के अवसर पर व्यवस्थाओं को ह्यजीरो एररह्न रखने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को प्रयागराज में बसंत पंचमी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि बसंत पंचमी के अवसर पर पूज्य अखाड़ों की पारंपरिक शोभायात्रा धूमधाम से निकलेगी, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से कर ली जाएं। पूज्य संतगण हों, कल्पवासी हों, देश भर से आए श्रद्धालु हों या देसी ह्वविदेशी पर्यटक, हर एक की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए। शोभायात्रा का रूट और समय हो या सामान्य स्नानार्थियों के आवागमन का मार्ग, हर बिंदु पर पुख्ता कार्ययोजना होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर चूक की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।

मेला प्राधिकरण के आईसीसीसी सभागार में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्किंग स्पेस को बढ़ाया जाए और ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें कि संगम स्नान को आने वाले श्रद्धालुओं को कम से कम चलना पड़े। उन्होंने ये भी निर्देश दिया कि महत्वपूर्ण स्थलों पर एसपी लेवल के अधिकारियों को ट्रैफिक व्यवस्था की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और दुनिया महाकुम्भ की व्यवस्थाओं और इसकी भव्यता की तारीफ कर रही है। हर कोई प्रयागराज संगम आने को उत्सुक है। यह भाव सतत बना रहे, इसके लिए सभी को अपना योगदान देना होगा। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन सेक्टर्स में कतिपय समस्याएं हैं, वहां सीनियर अधिकारी स्वयं विजिट करें। टीम लीडर अच्छा होना चाहिए। विपरीत परिस्थितियों में भी चुनौतियों का सामना करने की आदत डालें। यदि आवश्यक हो तो पुलिस की काउंसिलिंग करें, लेकिन पब्लिक के साथ अच्छा व्यवहार होना चाहिए। फोर्स को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे पास फोर्स की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ को लेकर लोगों में उल्लास है। बहुत दूर-दूर से लोग आ रहे हैं। गांव-गांव से लोग आ रहे हैं। प्रदेश सरकार ने बहुत पहले से इसको लेकर वृहद स्तर पर तैयारियां की हैं। फोरलेन की सड़कें बनाई गई हैं। पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। यदि पार्किंग कम लगती है तो आसपास के किसानों से जमीन लेकर वहां पार्किंग की स्पेस बढ़ाना सुनिश्चित करें। किसी भी स्थिति में प्रमुख स्नान पर्वों पर पब्लिक को बहुद अधिक पैदल न चलना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रैफिक सिस्टम को दुरुस्त किया जाए, कहीं भी जाम की स्थिति न बनने दें। सीनियर अधिकारियों को ड्यूटी पर लगाएं, जो टीम के साथ वहां हर वक्त मौजूद रहें। उनके लिए वहीं पर टेंट और खाने पीने की व्यवस्था की जाए। कहीं भी भीड़ एक-दूसरे को क्रॉस करती नजर न आए। इसके अलावा दो अधिकारी कंट्रोल रूम से व्यवस्था की निगरानी करें। बाकी अधिकारी बॉर्डर,शहर और मेला क्षेत्र में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करें। उन्होंने कहा कि आगामी 2 और 3 फरवरी हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होगा। प्रमुख स्नान पर्वों और उसके पहले और बाद में किसी तरह का कोई वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं लागू होगा। मुख्यमंत्री ने क्राउड मैनेजमेंट को और बेहतर बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें सभी स्थलों पर क्रॉस मूवमेंट को रोकना होगा। मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि बसों को तिरछा या बेतरतीब खड़ा होने दें, इससे जाम की स्थिति पैदा होती है। लोगों की आवाजाही बाधित नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बसंत पंचमी के दिन सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त होनी चाहिएं। बसंत पंचमी को लेकर अभी एक दिन का समय है, सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा कर विभागीय और अंतर्जनपदीय समन्वय बनाकर आयोजन को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि 3 फरवरी के अमृत स्नान को हर हाल में सफल बनाना है। सीएम ने कहा कि जिन जगहों पर भी बैरियर लगाए जाएं, उन्हें मजबूती से स्थापित किया जाए। साइनेज को ऊंचाई पर स्थापित करें और वहां प्रकाश की उचित व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। सैटेलाइट फोन के उपयोग पर भी उन्होंने जोर दिया। इसके अतिरिक्त सीएम ने संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पांटून पुलों को सिस्टमैटिक तरीके से ऑपरेट करने के निर्देश दिए। रेलवे की व्यवस्थाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने संतोष जताया। उन्होंने कहा कि रेलवे ने बहुत अच्छा काम किया है। स्टेशनों पर अच्छी व्यवस्था की गई, जिसका लाभ यात्रियों को मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि 3 फरवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और नेपाल से काफी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। इसे देखते हुए व्यवस्थाएं की जाएं। प्रयाग जंक्शन आईईआरटी फ्लाईओवर से लोगों का आवागमन नहीं होना चाहिए। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि बसंत पंचमी की तैयारी बेहतर कोऑर्डिनेशन के साथ किया जाना आवश्यक है। लोगों का मूवमेंट फ्रीक्वेंट होना चाहिए। बैरीकेडिंग जहां आवश्यक हो वहां लगाएं। भीड़ के प्रवाह को रोकें नहीं, बल्कि उन्हें बड़े स्पेस में ले जाकर डायवर्ट करें।

मुख्यमंत्री ने झूंसी क्षेत्र के आसपास रहने वाले संदिग्ध लोगों के पुलिस वेरिफिकेशन पर भी जोर दिया। सीएम ने कहा कि अतिक्रमण भी दुर्घटना का कारण बनता है। ऐसे में स्ट्रीट वेंडर्स सड़क पर न दिखाई दें, उन्हें उत्तर साइड में स्थान दें। मार्गों पर नियमित रूप से पुलिस की पेट्रोलिंग की जाए, क्रेन्स और एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने स्वच्छता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हमारी पहचान है। नदियों के किनारे कूड़ा न दिखाई दे। बड़ी संख्या में लोग अपने कपड़े, फूल और अन्य तमाम चीजें नदियों में प्रवाहित करते हैं। उन्हें तत्काल साफ करें। मेला क्षेत्र में सड़कों पर धूल न उड़े, इसके लिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव होगा। सभी टॉयलेट भी साफ सुथरे होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने प्रेशर पॉइंट्स पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने निर्देश दिया कि इन क्षेत्रों में अनुभवी और सक्षम अफसरों की तैनाती की जाए। साथ ही, पांटून पुल पर एक विशेष टीम हमेशा तैनात रहे, ताकि किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके। इसके अलावा चेकर्ड प्लेटों को समय-समय पर जांच कर आवश्यकता पड़ने पर बदला जाए। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए परिवहन निगम और मेला प्रशासन के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सभी मार्गों को सुगम और भीड़ मुक्त बनाए रखने के लिए एडीजी जोन को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अफवाहों पर नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भनगर में काम करने वाली हर टीम की जिम्मेदारी तय की जाए और वैकल्पिक कर्मचारियों की व्यवस्था भी की जाए।

बजट में रखा गया हर वर्ग का ख्याल: संतोष आरएन सिंह

मुंबई। उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष एवं बीआईएस के सीएमडी संतोष आरएन सिंह ने देश के बजट को देश का चहुंमुखी विकास करने वाला बजट बताया है। उन्होंने कहा कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में मध्यम वर्ग सहित हर वर्ग का यथोचित ध्यान रखा है। आयकर में भारी राहत, किसान क्रेडिट में पैसे की बढ़ोत्तरी, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए हर संभव प्रावधान, जीवन आवश्यक छत्तीस औषधियों के शुल्क में माफी आदि तमाम ऐसे निर्णय हैं, जो इस बजट को सर्वकल्याणकारी बनाते हैं। संतोष आरएन सिंह ने कहा कि इस बजट में मध्यमवर्ग, वेतनभोगी कर्मचारी, युवाओं-किसानों और मजदूरों सबको कुछ न कुछ दिया गया है। यह देश की अर्थव्यवस्था को यथोचित गति प्रदान करेगा और सामान्य से लेकर उच्च वर्ग के लोगों के सपनों को पूरा करेगा।